आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 06 अगस्त 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 241
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

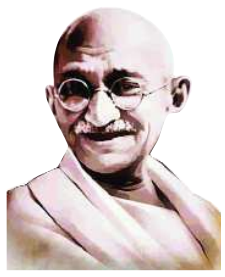

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

बर्फानी धाम क्षेत्र में चला निगम का बुलडोजर

पेज-2

महाकाल के बेसन लड्डू प्रसाद का स्वाद बदला

पेज-5

डीएवीवी में एमबीए की 229 सीटें खाली

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- प्रशांत किशोर डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार के सरकारी आवास 'देवगिरी' पहुंचे
- उप्र में बारिश से हुए नुकसान का सीएम योगी ने लिया संज्ञान, अधिकारियों को मदद के निर्देश
- पीओके में हिंसा को लेकर ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड में पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन
- ईरान के राष्ट्रपति ने कहा- सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई तक पहुंचना बेहद मुश्किल
- प्रतापगढ़ : भारी बारिश के दौरान मकान ढहने से 6 की मौत
- झारखंड JPSC परीक्षा अनियमितता : पांच और लोग अरेस्ट, अबतक 19 पकड़े
- इजरायल ने फिर दक्षिणी लेबनान पर बमबारी की
- ईरान से समझौता करना चाहूंगा क्योंकि मैं लोगों की जान नहीं लेना चाहता : ट्रंप
- शेख हसीना के संबोधन से बांग्लादेश की जनता नाराज, कई जगह विरोध प्रदर्शन

महंगाई का नया डोज

एलपीजी, सीएनजी पर केन्द्र सरकार लगाएगी नया शुल्क

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारत सरकार देश में एक बड़ा रणनीतिक ईंधन भंडार बनाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार गैस इस्तेमाल करने वाले लोगों से अतिरिक्त शुल्क वसूलने पर विचार कर रही है। इस योजना पर करीब 42 अरब डॉलर (लगभग 4 लाख करोड़ रुपये) खर्च होने का अनुमान है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पहली बार कच्चे तेल के अलावा एलएनजी और एलपीजी का भी रणनीतिक भंडार बनाने की योजना पर काम कर रही है। इसका मकसद युद्ध या किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय संकट के दौरान ईंधन की सप्लाई बाधित होने पर देश की जरूरत पूरी करना है। सरकार एलपीजी यानी घरेलू रसोई गैस पर 1.29 रुपये प्रति किलो का शुल्क लगाने पर विचार कर रही है। मौजूदा खपत के आधार पर इससे सरकार को हर साल करीब 460 मिलियन डॉलर यानी लगभग 4375 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। इस शुल्क का असर घरेलू गैस सिलेंडर पर भी पड़ेगा। एक सामान्य घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में करीब 18 रुपये की बढ़ोतरी हो सकती है। भारत की यह रणनीतिक ईंधन भंडार योजना करीब 10 साल में पूरी करने की तैयारी है। इसके लिए लगभग 42 अरब डॉलर की जरूरत होगी।

सीएनजी यूजर्स पर भी लगेगा अतिरिक्त शुल्क

प्राकृतिक गैस पर सरकार 1.43 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एससीएम) का शुल्क लगाने का प्रस्ताव देख रही है। मौजूदा खपत के आधार पर इससे हर साल करीब 1 अरब डॉलर यानी लगभग 9500 करोड़ रुपये जुटाए जा सकते हैं। दोनों शुल्क से सरकार को कुल मिलाकर करीब 1.5 अरब डॉलर सालाना मिल सकते हैं। इस रकम का इस्तेमाल मुख्य रूप से एलपीजी और एलएनजी के स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर को तैयार करने में किया जाएगा। हालांकि, यह शुल्क किस तरीके से वसूला जाएगा, इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

गैस बिल में करीब 2 फीसदी तक बढ़ोतरी का अनुमान

प्रस्तावित शुल्क से घरों और अन्य उपभोक्ताओं के गैस बिल में करीब 2 फीसदी तक बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे समय में जब ईंधन की कीमतें पहले से ही लोगों की चिंता बढ़ा रही हैं, सरकार का यह कदम राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो सकता है। अभी इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार की अंतिम मंजूरी नहीं मिली है। यह अलग-अलग मंत्रालयों के बीच चर्चा में है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट से मंजूरी मिलना बाकी है।

इसमें आधे से ज्यादा पैसा स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने पर खर्च होगा, जबकि बाकी रकम ईंधन खरीदकर भंडार में रखने पर खर्च की जाएगी। सरकार को अगले 10 साल में करीब 2.8 करोड़ टन अतिरिक्त कच्चे तेल की स्टोरेज क्षमता, 90 लाख टन एलएनजी स्टोरेज क्षमता और 40 लाख टन एलपीजी स्टोरेज क्षमता की जरूरत होगी।

सिंहस्थ से पहले बदल रही उज्जैन की तस्वीर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● उज्जैन में सिंहस्थ 2028 को लेकर विकास कार्य तेजी से हो रहा है। करोड़ों रुपए की परियोजनाओं के तहत और नए पुल, घाट और सड़कों का निर्माण किया जा रहा है।

साल 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन किया जाने वाला है। 12 वर्ष में एक बार लगने वाले इस महाकुंभ में देश विदेश से करोड़ों श्रद्धालु बाबा महाकाल की नगरी पहुंचते हैं। अलग अलग तिथियां पर शाही स्नान आयोजित किए जाते हैं। जिसमें साधु संतों के साथ आम जनता पुण्य सलिला शिप्रा में डुबकी लगाती है।

सिंहस्थ को लेकर उज्जैन में तैयारी का दौर लगातार जारी है। अवैध अतिक्रमणों को हटाने के साथ मार्ग चौडीकरण किया जा रहा है। नए भवनों, पुल, सड़क और घाटों का निर्माण हो रहा है। आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उज्जैन की तस्वीर बदली जा रही है। चलिए जान लेते हैं कि कौन कौन से विकास कार्य किए जा रहे हैं।

नए घाटों का निर्माण- सिंहस्थ में आने वाले हर श्रद्धालु के लिए सबसे ज्यादा महत्व शिप्रा स्नान का होता है। श्रद्धालुओं की संख्या भी करोड़ों में होती है। सभी को सुगम और सुरक्षित स्नान की व्यवस्था मिल सके। इसके लिए 778 करोड़ की लागत से 29 किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र में नए घाटों का निर्माण किया जा रहा है। इन बड़े बड़े घाटों पर श्रद्धालु आराम से स्नान कर सकेंगे। शहर में सड़कों के चौड़ीकरण का काम चल रहा है। महाकाल मंदिर, गोपाल मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, कंठाल, सती गेट जैसे मार्गों का चौड़ीकरण कर पक्की सड़कें बनाई जा रही है। उज्जैन को दूसरे शहरों से जोड़ने वाले हाईवे पर 4 और 6 लेन सड़कों का विकास किया जा रहा है। उज्जैन आने वाले श्रद्धालु आसानी से उज्जैन पहुंच सके उसके लिए 236 विशेष ट्रेनों के संचालन फैसला लिया गया है।

25 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं

सिंहस्थ में उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के लिए शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में विकास कार्य बड़े स्तर पर किया जा रहे हैं। शहर में सड़क, घाट, पुल और रेलवे सुविधाओं को आधुनिक बनाया जा रहा है ताकि देश-विदेश जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना ना लेना पड़े। इसके लिए शासन द्वारा शुरू किए गए लगभग 25000 करोड़ से ज्यादा के विकास कार्य प्रगति पर हैं।

पुलों का चौड़ीकरण और निर्माण

जो श्रद्धालु आएं उन्हें आवागमन में कोई परेशानी ना हो। इसी को देखते हुए 853 करोड़ से ज्यादा की लागत से शहर में पहले से मौजूद पुलों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इसमें चामुंडा माता चौराहा से लेकर फ्रीगंज जाने वाला क्षेत्र भी शामिल है। जहां पहले से मौजूद पुल के समांतर नया पुल बनाया जा रहा है। वहीं 22 नए पुल बनाए जा रहे हैं।

दतिया के नतीजों के बाद दिल्ली में बढ़ी हलचल, प्रदेश को लेकर हो रहा बड़ा मंथन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल/नई दिल्ली ● दतिया उपचुनाव के नतीजों ने मध्यप्रदेश भाजपा के भीतर आत्ममंथन की नई बहस छेड़ दी है। चुनाव के दौरान सत्ता, संगठन और स्थानीय नेतृत्व की पूरी ताकत झोंकने के बावजूद आए परिणामों ने पार्टी के रणनीतिकारों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। अब राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि केंद्रीय नेतृत्व प्रदेश के राजनीतिक और संगठनात्मक हालात का गहन आकलन कर रहा है।

भाजपा के अंदरखाने में यह माना जा रहा है कि दतिया का परिणाम केवल एक सीट का परिणाम नहीं, बल्कि संगठन की कार्यशैली, स्थानीय नेतृत्व की स्वीकार्यता और सरकार की राजनीतिक पकड़ का भी संकेत है। यही वजह है कि दिल्ली में बढ़ी गतिविधियों को दतिया के घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों के हवाले से यह चर्चा भी है कि प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं से फीडबैक लिया जा रहा है। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि चुनावी झटकों के बाद भाजपा की कार्यशैली रही है कि वह संगठन और सरकार—दोनों के प्रदर्शन की समीक्षा करती है

हालांकि इन खबरों की पुष्टि अभी नहीं हो चुकी है, किन्तु राजनीतिक गलियारों में इस बात को लेकर काफी चर्चाएं है कि दतिया उपचुनाव के परिणामों को लेकर प्रधानमंत्री ने शिवराज सिंह चौहान को पीएमओ बुलाया और जानकारी मांगी है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह की मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से भी बातचीत हुई। इन मुलाकातों से ही राजनीतिक सरगर्मिया तेज हो गई।

क्या बदलेगी चुनावी रणनीति?

दतिया के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा स्थानीय नेतृत्व को अधिक महत्व देगी या फिर चुनावी रणनीति में नए प्रयोग करेगी। पार्टी के भीतर यह भी चर्चा है कि सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय पर अब पहले से अधिक जोर दिया जा सकता है।

2028 की तैयारी का संकेत?

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा दतिया के परिणाम को अलग-थलग घटना के रूप में नहीं देखेगी। इसे 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिहाज से एक महत्वपूर्ण फीडबैक माना जा सकता है। ऐसे में आने वाले महीनों में संगठनात्मक बदलाव, नई जिम्मेदारियां या चुनावी रणनीति में बदलाव की संभावनाओं पर राजनीतिक चर्चाएं तेज रह सकती हैं।

अब नए चेहरे और नई टीम की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● पार्टी के इस कदम को संगठन में बड़े बदलाव की शुरुआत माना जा रहा है। प्रदेश मीडिया अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि जल्द ही नए पदाधिकारियों की नियुक्ति के साथ विभागों और प्रकोष्ठों का गठन किया जाएगा। इसके जरिए संगठन को आगामी चुनावों और राजनीतिक गतिविधियों के लिए अधिक प्रभावी बनाने की रणनीति पर काम किया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि दतिया उपचुनाव की जीत ने कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा किया है। अब इसी ऊर्जा को संगठनात्मक मजबूती में बदलने की रणनीति बनाई जा रही है। भंग होने की कार्रवाई के साथ ही कई नेता सक्रिय हो गए हैं।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश कांग्रेस ने संगठन में व्यापक बदलाव की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश के सभी विभागों और प्रकोष्ठों की ब्लॉक से लेकर प्रदेश स्तर तक की इकाइयों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है।

विजयवर्गीय से दूरी पर बोले मेयर

बड़ों की डांट सीख के समान, दूर-पास होने का सवाल नहीं उठता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मेयर पुष्यमित्र भार्गव की गिनती मंत्री विजयवर्गीय खेमे में होती है, लेकिन राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि अब भार्गव की निकटता मुख्यमंत्री मोहन यादव से ज्यादा बढ़ गई है। इन बातों को इसलिए भी बल मिला, क्योंकि मेयर भार्गव मंत्री विजयवर्गीय द्वारा बुलाई गई दो बैठकों में गैरमौजूद रहे थे। इस बात को लेकर मंत्री विजयवर्गीय ने मंच पर सार्वजनिक तौर पर तंज भी कसा था।

भाजपा परिषद के चार साल पूरे होने पर मेयर भार्गव ने इस बात पर भी बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैं सबको सम्मान के साथ लेकर चलने की ताकत रखता हूं। मैंने शहर के अच्छे काम मोहन जी और कैलाश जी से कराए हैं। पिछले 20 साल में विजयवर्गीय ने नगर

निगम के कामों में जितनी सक्रियता दिखाई, उतनी पहले कभी नहीं थी। इसका फायदा शहर को मिला। इसके अलावा मुख्यमंत्री मोहन यादव को जो भी प्रोजेक्ट मैंने बताए, वे उन्होंने मंजूर किए। मेयर ने यह भी कहा कि मैं राजनीति में नया हूं। वे बड़े हैं। मान लो, वे कभी कोई बात कह दें या डांट लें, तो वह हमारे लिए सीख है। दूर और पास जाने का सवाल ही नहीं उठता।

एफसीआरए बिल को लेकर विपक्ष की मांग पर प्रावधानों में नरमाई

राहुल गांधी से बातचीत के बाद बैकफुट पर आई सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी) ● संसद के मॉनसून सत्र में लगातार जारी हंगामे और गतिरोध को खत्म करने के लिए सरकार ने विपक्ष की ओर बातचीत का हाथ बढ़ाया है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि वह विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए बिल के प्रावधानों में नरमी बरतने को तैयार है और इसमें कोई भी ऐसा नियम लागू नहीं किया जाएगा जिसका असर पूर्व के मामलों या निवेशों पर पड़े। इसी बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से अहम मुलाकात की है। मॉनसून सत्र 13 अगस्त तक चलना है। माना जा रहा है कि इसी सत्र में इस बिल को पेश करना इस बात पर निर्भर करेगा कि विपक्ष चर्चा के लिए कितना तैयार है।

राहुल गांधी और किरेन रिजिजू के बीच 50 मिनट की मुलाकात

संसद में कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने

बुधवार को राहुल गांधी से करीब 50 मिनट तक बातचीत की। बैठक के दौरान रिजिजू ने एफसीआरए संशोधन बिल और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन बिल जैसे लंबित पड़े विधायी कामकाज का मुद्दा उठाया। रिजिजू ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच मतभेद होने के बावजूद उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के सामने बातचीत का प्रस्ताव रखा है और वे विपक्ष की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं।

एफसीआरए बिल को लेकर क्या है विवाद और सरकार का रुख?

सिविल सोसायटी और ईसाई संगठनों समेत कई धार्मिक समूहों ने एफसीआरए बिल में 'संपत्ति-निहित' नियमों को लेकर गहरी चिंता जताई थी। कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने इसी सिलसिले में गृह मंत्री से भी मुलाकात की थी।

बिल की धारा 14बी में एफसीआरए प्रमाणपत्र की 'समाप्ति' का नया कॉन्सेप्ट लाया गया है। आलोचकों और ईसाई संगठनों को डर था कि जिन संस्थाओं ने विदेशी चंदा लेना बंद कर दिया है, उनके प्रमाणपत्र 'समाप्त' मान लिए जाएंगे और विदेशी फंड से बने उनके स्कूल, अस्पताल या चर्च जैसी संपत्तियां सरकार द्वारा नियुक्त अथॉरिटी के अधिकार क्षेत्र में आ जाएंगी।

सरकार की सफाई

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि बिल का मकसद ऐसी स्थिति में संपत्तियों पर कब्जा करना नहीं, बल्कि सिर्फ यह सुनिश्चित करना है कि स्वैच्छिक पंजीकरण टूटने या रद्द होने की स्थिति में संस्था का कामकाज सुचारू रूप से चलता रहे। इसके तहत सिर्फ एक 'अंतरिम प्रबंधन' होगा। मूल मालिक या संस्था के वापस लौटने पर संपत्ति उसे ही सौंप दी जाएगी। साथ ही धार्मिक संस्थानों का प्रबंधन उनके अपने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार ही होगा।

न्यूज ब्रीफ

एआई साथी फॉर एजुकेटर्स' लॉन्च

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महाराष्ट्र के राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने कोटक एजुकेशन फाउंडेशन के साथ मिलकर 14 जुलाई, 2026 को मंत्रालय में 'एआई साथी फॉर एजुकेटर्स' के लॉन्च की घोषणा की। महाराष्ट्र के माननीय शिक्षा मंत्री, श्री दादाजी भुसे ने एआई साथी कोर्स का शुभारंभ किया। व्यवस्थित तरीके से व्यावसायिक कौशल विकसित करने के लिए पहली बार इस तरह का कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में बुनियादी जानकारी देना और शिक्षा के क्षेत्र में इ के सही तरीके से उपयोग को संभव बनाना है।

बेटियों के भविष्य को संवारने की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कोटक महिंद्रा ग्रुप की ष्टस्क पहलों को लागू करने वाली शाखा, कोटक एजुकेशन फाउंडेशन ने आज अपने लाखों में एक कैंपेन के तहत कोटक कन्या स्कॉलरशिप 2026 के शुभारंभ की घोषणा की। यह कैंपेन पूरे भारत में ऐसी मेधावी छात्राओं की तलाश के लिए शुरू की गई है, जिनकी काबिलियत को पहचान मिलनी चाहिए और आगे बढ़ने में उनकी मदद की जानी चाहिए, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। छठे साल में कदम रख चुका यह अभियान समाज के कमजोर तबके की होनहार बेटियों के लिए आगे की प्रोफेशनल पढ़ाई की राह आसान बना रहा हैं।

शिक्षकों से आवेदन 15 तक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जनजातीय कार्य विभाग तथा अनुसूचित जाति विकास जिला इन्दौर अन्तर्गत विकासखण्ड स्तर पर संचालित विभागीय उत्कृष्ट छात्रावासों में कोचिंग अध्यापन कार्य कराने वाले अनुभवी शिक्षक-शिक्षकाओं से आवेदन मंगाए गए हैं। आवेदन संबंधित छात्रावास अधीक्षक को 15 अगस्त तक जमा कर सकते हैं।

आईएमए की जमीन पर था कब्जा, विरोध करने वालों को पुलिस ने खदेड़ा

बर्फानी धाम क्षेत्र में चला निगम का बुलडोजर, अवैध गुमटियां हटाईं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बर्फानी धाम (मालवीय नगर) क्षेत्र में बुधवार सुबह नगर निगम ने अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 से अधिक अवैध गुमटियों को हटाया। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध कर हंगामा करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें मौके से हटाकर निगम की कार्रवाई पूरी कराई। जानकारी के अनुसार, इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन (आईएमए) की करीब 15 हजार वर्गफीट जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से गुमटियां और खान-पान के ठेले लगाकर कब्जा कर रखा था। मामले की शिकायत नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल तक पहुंची थी। शिकायत के बाद उन्होंने क्षेत्रीय भवन अधिकारी सुनील जादौन को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

पुलिस ने विरोध करने वालों को मौके से हटाया-बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे निगम का रिमूवल अमला जेसीबी और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा। जैसे ही अवैध गुमटियों को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई, कुछ लोगों ने विरोध करते हुए निगम कर्मचारियों से बहस की। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने विरोध करने वालों को मौके से हटाया, जिसके बाद निगम ने कार्रवाई जारी रखते हुए 10 से अधिक गुमटियों को तोड़ दिया। कार्रवाई के दौरान कई ठेले और अन्य सामान भी जब्त किए गए। हालांकि, तीन-चार लोग कार्रवाई शुरू होने से पहले अपनी गुमटियां हटाकर ले जाने में सफल रहे। कार्रवाई के दौरान क्षेत्रीय भवन अधिकारी सुनील जादौन, भवन निरीक्षक उद्देश्य तिवारी, सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे सहित नगर निगम और पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री सिलावट ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव से मुलाकात की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जल संसाधन मंत्री एवं सांवेर विधायक तुलसीराम सिलावट ने भोपाल में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे से मुलाकात कर एडवांस एकेडमी से निपानिया होते हुए पिपलियाकुमार तक प्रस्तावित रिंग रोड की चौड़ाई 100 फीट के बजाय 70 फीट किए जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव जनहित, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र के रहवासियों की मांग को ध्यान में रखते हुए रखा गया है।

मंत्री सिलावट ने बताया कि भारत सरकार की विशेष केंद्रीय सहायता से इंदौर नगर निगम क्षेत्र में 23 मास्टर प्लान सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें करीब 3.65 किलोमीटर लंबी एडवांस एकेडमी-निपानिया-पिपलियाकुमार रिंग रोड भी शामिल है, जिसकी चौड़ाई वर्तमान मास्टर प्लान में 100 फीट निर्धारित है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मार्ग के आसपास कई विकसित कॉलोनियां, स्कूल और निपानिया व पिपलियाकुमार गांव स्थित हैं।

शहर की बिजली व्यवस्था के अत्याधुनिकीकरण के हरसंभव प्रयास होंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक(एमडी) अनूप कुमार सिंह ने कहा हैं कि इंदौर महानगरीय क्षेत्र में बिजली व्यवस्था के अत्याधुनिकीकरण के हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। नए कार्य समय समय पर होगे, साथ ही मैंटेनेंस गतिविधियों को भी अत्याधुनिक तरीके से गुणवत्ता के साथ किया जाएगा, ताकि उपभोक्ता संतुष्टि में और बढ़ौत्तरी हो सके। सिंह ने उक्ताशय के विचार पोलोग्राउंड इंदौर स्थित चंबल अति उच्चदाब बिजली सब स्टेशन से 33 केवी के 16 फीडरों की अत्याधुनिक तरीके से डक्ट निर्माण और अंडरग्राउंड केबल के माध्यम से कनेक्टिविटी कार्य के निरीक्षण के दौरान व्यक्त किए। सिंह ने कहा कि लंबे समय से ग्रिडों से फीडरों की कनेक्टिविटी के अत्याधुनिकीकरण की आवश्यकता थी, जिसे कंपनी के कार्मिकों ने सीमित अवधि में पूर्ण किया हैं।

शासकीय आवास खाली नहीं करने पर अपात्र अधिकारियों से वसूला जायेगा किराया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● लंबे समय से शासकीय आवासों में अपात्र होने के बाद भी आवास रिक्त (खाली) नहीं करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों से अब बाजार मूल्य के अनुरूप किराया वसूलने की तैयारी चल रही है। संभागायुक्त भास्कर लक्षकार ने इस संबंध में एसडीओ रितेश सिसोदिया और राम कुमार सविता को ऐसे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवास को खाली कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि स्थानांतरण और सेवानिवृत्ति के बाद भी लंबे समय से आवास रिक्त नहीं किया है। इसमें वे अधिकारी भी शामिल है, जिन्हें आवास आवंटित किया गया है परन्तु वे लॉक लगाकर अपने पजेशन में रखें हुए है। इसके लिए दोनों एसडीओ द्वारा कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत पर बड़ी कार्रवाई

भूमि संसाधन प्रबंधन के भृत्य कैलाश पालीवाल निलंबित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा ने जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए भूमि संसाधन प्रबंधन शाखा में पदस्थ भृत्य (चेनमैन) कैलाश पालीवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार, 4 अगस्त 2026 की जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत में आरोप लगाया गया कि कैलाश पालीवाल ने शिकायतकर्ता से प्लॉट दिलाने के नाम पर लगभग 20 लाख रुपये का सौदा किया तथा विभिन्न तिथियों में 17 लाख रुपये प्राप्त करने के बावजूद प्लॉट उपलब्ध नहीं कराया। शिकायतकर्ता द्वारा इस संबंध में वीडियो रिकॉर्डिंग सहित शिकायत प्रस्तुत की गई।

प्रथम दृष्टया मामले को गंभीर मानते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के तहत कैलाश पालीवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित की गई है। जांच के लिए जिला स्तरीय जांच अधिकारी नियुक्त किए गए हैं तथा तहसीलदार, भू-संसाधन प्रबंधन इंदौर को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी बनाया गया है। आदेश के अनुसार निलंबन अवधि में कैलाश पालीवाल को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा तथा उनका मुख्यालय तहसील देपालपुर, जिला इंदौर निर्धारित किया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

मलेंडी में विशेष राजस्व शिविर आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार जिले में आमजन की राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए विशेष राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को महू तहसील के बड़गोंदा राजस्व वृत्त अंतर्गत ग्राम मलेंडी में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं हितग्राहियों ने भाग लिया। शिविर के दौरान नामांतरण के 40, बंटवारे के 5, सीमांकन के 12, नक्शा तरमीम के 16 तथा रास्ता विवाद का 1 प्रकरण निराकृत किया गया। इसके साथ ही ई-केवाईसी एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतकर्ताओं को शिविर में बुलाकर उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। निराकरण के उपरांत कृषकों को आदेशों की प्रतियां तथा संशोधित खसरा भी उपलब्ध कराया गया।

अब बिना ऑपरेशन भी हटेगी ब्रेस्ट की गांठ, इंदौर में शुरू हुई नई तकनीक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सेंटर फॉर वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल केयर, इंदौर ने महिलाओं के लिए राहतकारी कदम उठाते हुए ब्रेस्ट फाइब्रोएडेनोमा के उपचार हेतु वैक्यूम असिस्टेड एक्सिशन तकनीक की शुरुआत की है। यह तकनीक मध्य भारत में पहली बार उपलब्ध कराई गई है और पारंपरिक ओपन सर्जरी की आवश्यकता को समाप्त करती है।

इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट डॉ. आलोक उडिया ने बताया कि फाइब्रोएडेनोमा ब्रेस्ट में होने वाली एक सामान्य गांठ है, जिसमें कैंसर नहीं होता और यह युवतियों में पाई जाती है। अधिकांश मामलों में यह दर्दरहित होती है, लेकिन आकार बढ़ने या असुविधा होने पर उपचार आवश्यक हो जाता है। समय पर जांच और आधुनिक तकनीक से इसका सुरक्षित समाधान संभव है।

बोड़ाना ने सेवानिवृत्त हुए शिक्षक नारायणसिंह पंवार का किया सम्मान

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

शासकीय माध्यमिक विद्यालय खुडाला के वरिष्ठ शिक्षक नारायणसिंह पंवार के सेवानिवृत्त होने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर ओबीसी महासभा मध्यप्रदेश के प्रदेश महासचिव सूरज सिंह बोड़ाना ने शॉल एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर उनका सम्मान किया।

बोड़ाना ने कहा कि पंवार ने लगभग 45 वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करते हुए हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने का सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि समाज और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान नई पीढ़ी को प्रेरणा देता है। साथ ही उन्होंने शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में ऐसे समर्पित लोगों को समाज की अमूल्य धरोहर बताया।

सेवानिवृत्त होने पर पवार ने दिल खोलकर धर्मशाला से लेकर गौशाला तक दान दिया जहां शिक्षक थे इस गांव में दोनों धर्मशालाओं में पांच पांच

हजार रु की राशि दी गई वही दो गौशाला में भी इक्कीस सो रु की राशि दी गई पवार ने स्कूल में भी छात्रों के हित में राशि को समर्पित किया है।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य दीपाली सोनी, सुरेश सिंह बोहाणा, राजकुमार पटेल, बद्रीलाल चौहान, आबिद अली मंसूरी अशोक वर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने नारायणसिंह पंवार के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

देपालपुर में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में होता है निशुल्क अभिषेक

पंडित भविष्य व्यास कहीं सालों से कर रहे अभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● नगर की भोलनाथ कॉलोनी में स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर श्रद्धालुओं के आस्था का केंद्र बनता जा रहा है। लगातार भक्तों का जमावड़ा यहां लगा रहता है। सावन माहा में कहीं सालों से इस मंदिर में निशुल्क अभिषेक पंडित भविष्य व्यास के द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है। महिलाओं से लेकर बुजुर्गों तक इस अभिषेक के सहभागी बनते हैं। सबसे बड़ी बात देपालपुर में एक मात्र मंदिर ऐसा है जहां पंडित के द्वारा 45 दिनों तक निशुल्क अभिषेक भक्तों को कराया जाता है। सुबह पांच बजे से यह अभिषेक सात बजे तक चलता है। सोमवार को मंदिर आकर्षण का केंद्र बन जाता है। नर्मदेश्वर महादेव को अलग-अलग रूप में सिंघार किया जाता है। जानकारी में पंडित भविष्य व्यास ने बताया कि यह प्रेरणा मुझे मेरे दादाजी से मिली है। वह भी क्षेत्र के विख्यात पंडित रहे हैं उन्हीं के प्रेरणा से मैं यह सेवा नर्मदेश्वर महादेव के मंदिर में करता हूं। मैं अपना कर्म करता रहूंगा इस निशुल्क अभिषेक में आज तक किसी प्रकार की कोई कमी नहीं हुई है यह सब नर्मदेश्वर महादेव की कृपा है धीरे-धीरे आम जनता का जुड़ाव इस मंदिर से जुड़ता चला गया और हमें सबका साथ मिलता रहा क्षेत्र में अच्छी बारिश हो सुख समृद्धि शांति बनी रहे इसी कामनाओं के साथ हम यह आयोजन करते हैं।

सीताराम डाक कांवड़ यात्रा : रामेश्वरम से इंदौर तक 2100 किमी दौड़ते हुए करेंगे सफर, 10 को पहुंचेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के बावड़ी वाले बालाजी मंदिर की डाक कांवड़ यात्रा इस बार रामेश्वरम से 2,100 किलोमीटर की सबसे लंबी यात्रा होगी। 300 कांवड़िये सात दिन में लगातार दौड़ते हुए इंदौर पहुंचेंगे। 2015 से शुरू हुई यह परंपरा युवाओं में आस्था और सेवा का अनूठा उदाहरण बन चुकी है।

सावन के महीने में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है, पवित्र नदियों से जल पात्रों में भरकर कंधों पर कांवड़ लेकर यात्री भोलेनाथ को जल अर्पण करते हैं। सावन के महीने में कावड़ का और शिव मंदिरों में जल अर्पण का प्राचीन काल से खास महत्व है। यह हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है। मालवा और निमाड़ में नर्मदा से जल लेकर कांवड़ यात्री उज्जैन महाकालेश्वर आते हैं। वहीं, इंदौर के विजय नगर क्षेत्र से बावड़ी वाले बालाजी मंदिर द्वारा डाक कांवड़ यात्रा आयोजित की जा रही है। यह तमिलनाडु स्थित रामेश्वरम से 2100 किलोमीटर का सफर नॉन स्टॉप तय कर इंदौर पहुंचेगी। 10 अगस्त सोमवार को कांवड़ यात्री रामेश्वरम पहुंचेंगे और 15 अगस्त से यह सुपर फास्ट कांवड़ यात्रा आरंभ होगी, जो 21 अगस्त तक इंदौर पहुंचने की संभावना है। बावड़ी वाले बालाजी मंदिर समिति द्वारा अब तक पांच डाक कांवड़ यात्राएं निकाली जा चुकी हैं। वर्ष 2025 में अयोध्या से इंदौर 1100 किलोमीटर, वर्ष 2024 में द्वारका से इंदौर 1100 किलोमीटर, 2023 में गंगोत्री धाम से इंदौर 1500 किलोमीटर, 2022 में अमरकंटक से इंदौर 900 किलोमीटर और 2021 में ओंकारेश्वर से इंदौर 90 किलोमीटर की डाक कांवड़ यात्रा निकाली जा चुकी हैं।

300 कांवड़िये शामिल होंगे, एक घंटे में 12 किमी

इस सावन में रामेश्वरम से इंदौर की यह डाक कांवड़ यात्रा सबसे लंबी होगी। इसमें करीब 300 कांवड़ यात्री रहेंगे। 171 घंटे यानी सात दिन में यह यात्रा पूरी होगी। प्रति घंटे बारह किलोमीटर की गति से कांवड़ यात्रा चलेगी। इस डाक कांवड़ यात्रा का सिलसिला वर्ष 2015 से आरंभ हुआ था। मंदिर के महंत रामजी महाराज इस यात्रा के प्रेरणा स्त्रोत हैं, उन्ही के मार्गदर्शन में डाक कांवड़ यात्रा आयोजित की जाती है। रामजी महाराज का कहना है कि युवा भक्तों की टोली डाक कांवड़ में शामिल रहती है, जो तय दूरी से कांवड़ लेकर दौड़ती है। कांवड़ यात्रियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाता है। डाक कांवड़ यात्रा 11 से 13 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चलती है।

बेखौफ कार चोरों का आतंक, एक ही मॉडल की कार ले गए चोर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के विज्ञान नगर और दामोदर नगर से एक हफ्ते में तीन स्विफ्ट कार चोरी हो गई हैं। ताजा मामला वीआईपी परस्पर नगर का है, जहां बेखौफ बदमाश 28 जुलाई की रात स्विफ्ट कार चोरी कर फरार हो गए। चोरी से पहले आरोपियों ने इलाके की डीपी से बिजली बंद कर दी, जिससे कॉलोनी के कैमरे बंद हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक वीआईपी परस्पर नगर निवासी मुकुल कुमार त्यागी सप्लायर का काम करते हैं। उन्होंने अपनी मारुति स्विफ्ट कार 28 जुलाई की रात सिद्धेश्वर महादेव मंदिर की दीवार के पास खड़ी की थी। अगले दिन सुबह जब वे बाहर आए तो कार मौके से गायब मिली। आसपास काफी तलाश करने के बाद भी वाहन का कोई सुराग नहीं लगा, जिसके बाद उन्होंने राजेंद्र नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बदमाशों ने पहले इलाके की डीपी से बिजली सप्लाई बंद की, ताकि कॉलोनी के सीसीटीवी कैमरे बंद हो जाएं। इसके बाद उन्होंने स्विफ्ट कार चोरी की और फरार हो गए। बताया जा रहा है कि आरोपी दूसरी कार से आए थे। कॉलोनी के कैमरों में उनकी गतिविधियां कैद नहीं हो सकीं, लेकिन बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में एक चौराहे से चोरी की कार गुजरती हुई दिखाई दी है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है।

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में स्विफ्ट कारों को निशाना बनाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार विज्ञान नगर और दामोदर नगर से भी दो स्विफ्ट कार चोरी होने की शिकायतें मिली हैं। इन मामलों में भी जांच जारी है। लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं ने क्षेत्र के लोगों में चिंता बढ़ा दी है। पुलिस का कहना है कि सभी मामलों के बीच कड़ी तलाश की जा रही है और जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

सुपर कॉरिडोर के विकास में आएगी तेजी -संभागायुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सुपर कॉरिडोर पर आईटी क्षेत्र के विकास और भूमि उपयोग को लेकर शासन स्तर पर बड़ी कवायद शुरू की गई है। शहर बनाने के लिए यह क्षेत्र सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। कई दिग्गज कंपनियां भविष्य में यहां अपने कार्यालय खोलने जा रही हैं। कुछ वर्ष पूर्व शासन ने सुपर कॉरिडोर क्षेत्र में देश की 2 बड़ी आईटी कंपनियों को कुल 230 एकड़ जमीन आवंटित की थी। इस आवंटन के तहत टीसीएस को 100 एकड़ तथा इन्फोसिस को 130 एकड़ जमीन प्रदान की गई थी। हालांकि, निर्धारित दावों और लीज शर्तों के अनुसार कम्पनियों ने पूरी जमीन का न तो समुचित उपयोग किया और न ही अपेक्षित संख्या में रोजगार के अवसर प्रदान किए। इस स्थिति को देखते हुए शासन ने कंपनियों से उपयोग नहीं हो रही जमीन वापस लेने की कार्रवाई की। इसी क्रम में इन्फोसिस से वापस ली गई 50 एकड़ जमीन में से 25 एकड़ जमीन पर मप्र इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन द्वारा एक भव्य आईटी पार्क का निर्माण करवाया जा रहा है। इस नए आईटी पार्क के निर्माण और प्रबंधन की पूरी जिम्मेदारी इंदौर विकास प्राधिकरण को सौंपी गई है। प्राधिकरण द्वारा ड्राइंग और डिजाइन का काम पूरा किए जाने के बाद शीघ्र ही इसके निर्माण टेंडर जारी किए जाएंगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 06 अगस्त 2026

न्यूज ब्रीफ

स्वयं की किस्मत बदलने की ताकत हमारे ही हाथों में - राष्ट्रसंत सुधासागर म.सा.

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • जो चमत्कार करने की क्षमता भगवान और गुरु में है, वह भक्तों में भी हो सकती है। कई बार ऐसे अवसर आते हैं जहाँ न तो भगवान होते हैं, न ही गुरु, तब ऐसे समय में हमारी किस्मत कौन पलटेगा। ध्यान रखना कि जीवन में अकस्मात आने वाली विपदा से बचने के लिए अभी से एक भगवान और एक गुरु की आराधना शुरू कर दो। जिसका जीवन में कोई गुरु नहीं, उसका जीवन शुरू नहीं। कभी भी अपने जीवन में अपना गुरु मत बदलना। संकल्प करें कि जीवन में कभी नमोकार महामंत्र नहीं छोड़ूंगा। जिस दिन हम सच्चे भक्त बन जाएँगे, उस दिन स्वयं की किस्मत बदलने की ताकत भी हमारे ही हाथों में होगी। भगवान के चरणों की नहीं, चरणों की रज से ही सब काम हो जाते हैं। हमें संकल्प करना होगा कि मेरी आँखे वही देखेगी, जो मैं देखना चाहता हूँ। मेरे कान वही सुनेंगे जो मैं सुनना चाहता हूँ, मेरे मुंह से वही शब्द निकलेंगे जिनके लिए मुझे कभी आई एम सॉरी नहीं बोलना पड़े। ये दिव्य और प्रेरक विचार हैं संत शिरोमणि प.पू. विद्यासागर म.सा. परम प्रभावक शिष्य और राष्ट्रसंत मुनि पुंगव प.पू. श्री सुधासागर महाराज के, जो उन्होंने बुधवार को सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में दलाल बाग के विशाल विद्या-सुधा सत्संग मंडप में आयोजित चातुर्मास की महती धर्मसभा में उपस्थित समाज बंधुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

वर्ल्ड हिन्दू फेडरेशन की ओर से कावड़ यात्रियों के लिए तेजाजी नगर में ओम महाकाल सेवा शिविर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • वर्ल्ड हिन्दू फेडरेशन की ओर से ओंकारेश्वर, खेड़ीघाट और मंडलेश्वर से महाकालेश्वर तक श्रावण मास में जाने वाले कावड़ यात्रियों की सेवा के लिए तेजाजी नगर, खंडवा रोड पर ओम महाकाल कावड़ सेवा शिविर की स्थापना की गई है जिसका शुभारम्भ राऊ क्षेत्र के विधायक मधु वर्मा, इंदौर जनपद अध्यक्ष कृष्णा सिंह, भाजपा किसान मोर्चा के मंत्री रवि रावलिया सहित क्षेत्र के विशिष्टजनों के आतिथ्य में कावड यात्रियों के एक जत्थे का पारम्परिक स्वागत कर किया गया। शिविर संयोजक वर्ल्ड हिन्दू फेडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि यह शिविर पूरे सावन माह इस मार्ग से गुजरने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन, जलपान, आवास एवं स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराएगा।

भाजपा नेता और पूर्व पार्षद वर्मा की धर्मपत्नी का निधन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व नगर अध्यक्ष अनु. जाति मोर्चा एवं पूर्व पार्षद परसराम वर्मा की धर्मपत्नी, डॉ. भावना एवं अंकित की माता, मुन्ना वर्मा, एडवोकेट प्रेमलाल (बब्बू) वर्मा की भाभी, आशीष, चैतन्य, आदर्श की बड़ी मम्मी श्रीमति निर्मला वर्मा का देवलोक गमन 5 अगस्त को हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा गुरुवार को सुबह निज निवास बड़ी ग्वाल टोली हनुमान मंदिर के पास बारह पत्थर चौराहे से तिलक नगर मुक्ति धाम जावेगी।

अगस्त के शुरुआती दिन भी सूखे बीत रहे, अच्छी बारिश की आस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बारिश के मौसम के दो माह बीत जाने के बाद भी मानसूनी बादल रूठे दिखाई दे रही है। अगस्त का महीना शुरू हुए छह दिन बीत चुके हैं, लेकिन शहर में बारिश के नाम पर सिर्फ फुहारें ही दिखाई दे रही है। इस सुस्त मानसूनी चाल के कारण इस अवधि की औसत वर्षा के आंकड़े से करीब 4 इंच पीछे चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, अगस्त के पहले पांच दिन लगभग पूरी तरह सूखे बीते हैं। कुछ इलाकों में हुई नाममात्र की बूंदाबांदी को छोड़ दें, रिहाइशी इलाकों में तेज बारिश को तरसा रहा है। लेकिन अभी तक 15 इंच बारिश ही दर्ज हो पाई है। शहर में अभी तक झमाझम बारिश देखने को नहीं मिली है। औसत से 4 इंच कम बारिश होने की वजह से शहर के प्रमुख जल स्रोतों यशवंत सागर, सिरपुर तालाब और बड़ा बिलावली तालाब में पानी की आवक बेहद धीमी है। यदि अगस्त के बाकी दिनों में भी यही स्थिति रही, तो आने वाले महीनों में शहर को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

फिलहाल कोई मजबूत सिस्टम नहीं

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, वर्तमान में अरब सागर या बंगाल की खाड़ी में ऐसा कोई मजबूत मौसम तंत्र सक्रिय नहीं है, जो इंदौर और आसपास के मालवा अंचल में भारी बारिश करा सके। मानसून ट्रफ भी अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसकी हुई है। आने वाले 3-4 दिनों तक इंदौर में हल्की धूप-छांव और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी का ही दौर जारी रहेगा। फिलहाल आने वाले दिनों में भी किसी जोरदार और लगातार होने वाली बारिश की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। मौसम केंद्र के मुताबिक बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान 27.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य रहा। जबकि मंगलवार को यह 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, यह भी सामान्य रहा। बुधवार को सुबह से शाम तक मात्र 1.0 मिमी बारिश ही दर्ज हुई है। इसके साथ ही बारिश का कुल आंकड़ा (395.3 मिमी) 15.56 इंच पर पहुंचा है। यह इस समय तक होने वाली औसत बारिश से 3.8 इंच यानी करीब 4 इंच कम है।

सिंहस्थ से पहले शिप्रा शुद्धीकरण पर संतों का अल्टीमेटम

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • सिंहस्थ की तैयारियों के बीच शिप्रा नदी के शुद्धीकरण का मुद्दा अब संत समाज ने उठाया है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर दास के नेतृत्व में एक दर्जन से अधिक संत उज्जैन से देवास पहुंचे। उन्होंने नागधम्मन नदी और शिप्रा में मिलने वाले दूषित नालों का निरीक्षण किया। हवनीखेड़ी में संतों ने नागधम्मन नदी में बहते काले और दूषित पानी को देखा। इस पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि सिंहस्थ से पहले शिप्रा को हर हाल में स्वच्छ करना होगा। डॉ. दास ने बताया कि वे पहले भी यहां आ चुके हैं, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब शिप्रा में दूषित पानी का मिलना हर हाल में बंद कराया जाएगा। प्रशासन ने आश्वासन दिया, फैक्ट्री के ट्रीटमेंट किए गए पानी को शिप्रा में नहीं छोड़ा जाएगा। डॉ. दास ने कहा, 'यह पानी इतना दूषित है कि ट्रीटमेंट के बाद भी पीने योग्य नहीं है। ऐसे जहरीले पानी से जीव-जंतुओं का जीवन भी प्रभावित हो रहा है।' उन्होंने यह भी बताया कि उज्जैन में 13 नालों को लेकर भी संत समाज लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंदोलन या सड़क जाम करना संतों का कार्य नहीं है, लेकिन प्रशासन से समाधान करवाना उनकी जिम्मेदारी है। यदि आवश्यकता पड़ी तो मुख्यमंत्री से भोपाल में व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर इस विषय को उठाया जाएगा।

महापौर की 4 साल की असफलताओं के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर कांग्रेस कमेटी (कार्यवाहक अध्यक्ष) एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र (प्रदेश अध्यक्ष) देवेंद्र सिंह यादव एवं इंदौर शहर कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल धाकरे के नेतृत्व में इंदौर महापौर श्री पुष्मित्र भार्गव के 4 साल के कार्यकाल की असफलताओं, घोटालों और अव्यवस्थाओं के खिलाफ शहर के विभिन्न क्षेत्रों-छोटी ग्वालटोली, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, छत्रीबाग, बर्फानी धाम, यशवंत रोड आदि स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने महापौर का मुखौटा पहनकर और हाथों में पोस्टर लेकर जन जागरण आंदोलन, पैदल मार्च व नुक्कड़ सभाएं कीं। खुले व टूटे चैंबरों और

सड़कों के मलबे पर पोस्टर रखकर महापौर परिषद का विरोध जताया गया। देवेंद्र सिंह यादव एवं राहुल धाकरे ने कहा कि महापौर परिषद के 4 साल के कार्यकाल में इंदौर को दूषित पानी, गड्ढों, बीमारियों और घोटालों का शहर बना दिया गया है।

अष्ट प्रहर पूजा में शामिल हो रहे हजारों श्रद्धालु - रुद्राभिषेक और शिव आराधना से गूंज रहा पूरा क्षेत्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पंचकुइया स्थित श्री भूतेश्वर महादेव मन्दिर पर सावन के पहले दिन से चल रहे सर्व मनोकामना सिद्धिप्रद अहर्निश लक्ष्य बिल्वार्चन चिंतामणि महाप्रयोग में दिनोंदिन भक्तों का दिन-रात मेला जुट रहा है। यहाँ अब तक 7 लाख बिल्व पत्र समर्पित किए जा चुके हैं। अष्ट प्रहर चल रही इस अनूठी पूजा के आयोजन में देशभर से आए विद्वानों, आचार्यों और ब्राह्मणों के सानिध्य में प्रतिदिन शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के बीच 1 लाख बिल्व पत्र से रुद्राभिषेक, रुद्रपाठ एवं शिव आराधना से समूचा पंचकुईया क्षेत्र गुंजायमान हो रहा है। महाभारत में वर्णित शिव आराधना के मन्त्रों, ओम नमः शिवाय, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर एवं अन्य सभी ज्योतिर्लिंगों के नाम से यहाँ आठ शिवलिंग पर एक लाख बिल्व पत्र समर्पित किए जा रहे हैं।

भूतेश्वर महादेव मंदिर के प्रमुख पं. हरीशानंद तिवारी एवं पं. यतीन्द्र तिवारी ने बताया कि श्रावण के पहले दिन से ही भगवान शिव को बिल्व पत्र समर्पित करने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहाँ पहुंचकर पुण्य लाभ ले रहे हैं। प्राचीन भूतेश्वर महादेव के मूल विग्रह के साथ 7 अन्य पार्थिव शिवलिंग भी यहाँ स्थापित किए गए हैं जहाँ दो -दो घंटे की बारह पारियों में भगवान भूतेश्वर को प्रतिदिन बिल्व पत्र समर्पित कर साधकों के परिवार, समाज और राष्ट्र में सुख शांति एवं सदभाव के साथ ही सुखद वर्षा की प्रार्थना भी की जा रही है।

'क्यों रूठे हुए हैं मेघराज मालवांचल से' संस्था सेवा सुरभि द्वारा डॉ. जोशी के आतिथ्य में होगा मंथन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • राष्ट्र, संस्कृति और प्रकृति से सरोकार रखने वाली सामाजिक संस्था सेवा सुरभि ने मालवांचल में रूठे हुए मेघराज और किसानों के माथे पर पानी की जगह पसीने की बूंदे टपकने के हालात पर चिंतन और मंथन करने के उद्देश्य से शुक्रवार 7 अगस्त को अपराह्न 4.30 बजे से साउथ तुकोगंज, पंजाब अरोड़वंशीय भवन के सामने स्थित होटल कलिंगा पर पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी से आत्मीय वार्तालाप करने का कार्यक्रम संजोया है। संस्था के संयोजक ओमप्रकाश नरेडा, पर्यावरणविद ओपी जोशी, अतुल शेठ एवं कुमार सिद्धार्थ ने बताया कि देश के अन्य राज्यों में झमाझम वर्षा हो रही है लेकिन हमारे अपने मालवांचल में प्रकृति रूठी हुई नजर आ रही है। हरियाली के सजग प्रहरी और प्रेरक पद्मभूषण डॉ. जोशी को इस हालात में आत्मीय वार्तालाप के लिए आमंत्रित किया गया है। डॉ. जोशी के साथ शहर के पर्यावरण प्रेमी, जागरूक नागरिक और हरियाली से जुड़े प्रेमी बातचीत कर पूरे देश का पर्यावरण बिगड़ने, टेक्नोलॉजी में लगातार आगे बढ़ने के बावजूद पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आम आदमी की उदासीनता और प्रकृति की अवहेलना जैसे मुद्दों पर मंथन करेंगे। कार्यक्रम में पद्मश्री जनक पलटा, भूगर्भ जल विशेषज्ञ डॉ. सुधीन्द्र मोहन शर्मा, केट के पूर्व वैज्ञानिक निकेतन सेठी, वरिष्ठ अभिभाषक अनिल त्रिवेदी, डॉ. किशोर पंवार, डॉ. भोलेश्वर दुबे, डॉ. दिलीप वाघेला, पंकज कासलीवाल सहित शहर के अनेक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

4 साल बेमिसाल : वार्ड-25 में विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड पेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विधानसभा-2 के वार्ड क्रमांक 25 में कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने पर पार्षद सुनीता संतोष चौखंडे का जनता क्वार्टर स्थित गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में रहवासियों ने सम्मान किया। इस दौरान पार्षद ने अपने चार साल के कार्यकाल में कराए गए करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए वार्ड में हुए निर्माण और जनसुविधाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में रहवासियों ने कहा कि पिछले चार वर्षों में वार्ड में सड़क, नाली, पेयजल,

स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कई कार्य हुए हैं। गर्मी के मौसम में जल संकट की स्थिति बनने पर भी टैंकरों के माध्यम से समय पर पानी उपलब्ध कराया गया, जिससे लोगों को परेशानी नहीं हुई। नागरिकों ने इन प्रयासों की सराहना करते हुए पार्षद का पुष्पमालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया। पार्षद सुनीता चौखंडे ने कहा कि वार्ड का विकास और जनसेवा उनकी पहली प्राथमिकता है। विधायक रमेश मेंदोला और महापौर पुष्यमित्र भार्गव के मार्गदर्शन और सहयोग से करोड़ों रुपए के विकास कार्य कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी वार्ड की मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य किए जाएंगे।

सुधा सागर महाराज मिनी बुंदेलखंड के रूप में चर्चित छत्रपति नगर को धन्य कर रहे हैं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इन दिनों मिनी बुंदेलखंड के रूप में चर्चित छत्रपति नगर श्रमण संस्कृति के महाश्रमण जगत पूज्य मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज का चातुर्मास होने के कारण जैन धर्मावलंबियों के लिए धर्म, त्याग और आस्था का पुण्य शाली महातीर्थ बन गया है।सुधा सागर जी की पीयूष वर्षिणी देशना सुनने हजारों नर - नारी, युवक- युवतियां प्रतिदिन आते हैं और भाव विभोर हो जाते हैं। छत्रपति नगर दिगंबर जैन समाज के कार्य अध्यक्ष डॉ जैनेन्द्र जैन ने बताया कि यहां प्रतिदिन प्रात: 6:30 से 7:00 बजे तक दिगंबर जैन आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर में विराजित जगत पूज्य के पाद प्रक्षालन का सैकड़ो भक्तों को सौभाग्य मिल रहा है। तत्पश्चात जिनालय में मुनिश्री के मुखारविंद से मंत्रोच्चार के साथ प्रभु प्रतिमा पर शांति धारा हो रही है जिसमें मुनि श्री शांति धारा पुण्यार्जक परिवार के सदस्यों के नाम का भी उच्चारण करते हैं। प्रात: 8:30 से 9:45 तक दलाल बाग में निर्मित भव्य, विशाल एवं सुदर्शनीय पंडाल मैं मुनि श्री के सामान्य जन के जीवन की दिशा और दशा बदलने की प्रेरणा देने वाले मंगल प्रवचन होते हैं जिसे श्रवण कर हजारों की संख्या में नर नारी युवक युवतियां भाव विभोर हो रहे हैं।

बाणेश्वरी कावड़ यात्रा आज शाम शहर में, कल सुबह नगर भ्रमण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • महेश्वर के अहिल्या घाट से सावन के पहले सोमवार को सुबह प्रारम्भ हुई इंदौर की बाणेश्वरी कावड़ यात्रा बुधवार की शाम को मानपुर से महू पहुँच गई। महू में विधायक सुश्री उषा ठाकुर, महेंद्र हार्डिया एवं श्रीमती मालिनी लक्ष्मणसिंह गौड़ सहित अनेक भाजपा नेताओं ने यात्रा का जबरदस्त पुष्प वर्षा और बोल बम उद्घोष के बीच भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया। क्षेत्र के सभी प्रमुख पार्षदों, भाजपा नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने मंच लगाकर यात्रा की अगवानी की। जगह-जगह यात्रा संयोजक एवं विधायक गोलू शुक्ला का साफा बांधकर स्वागत किया गया। यात्रा महू से गुरुवार को सुबह प्रारम्भ होकर राऊ होते हुए शाम 7 बजे अन्नपूर्णा रोड स्थित द्वारका गार्डन पहुंचेगी जहाँ शहर के अनेक जनप्रतिनिधि यात्रा की अगवानी करेंगे। शुक्रवार को सुबह 9 बजे से यात्रा अन्नपूर्णा मंदिर में चुनरी समर्पण एवं शिव मंदिर में पूजा अर्चना के बाद महू नाका होते हुए नगर भ्रमण पर निकलेगी। मानपुर से सुबह 9 बजे योग, प्राणायाम, पौधरोपण एवं पूजा-अर्चना के बाद प्रारम्भ हुई बाणेश्वरी कावड़ यात्रा शाम को महू पहुंची तो तीनों विधायकों के साथ भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, डिजियाना समूह के डायरेक्टर तेजेंद्र सिंह घुम्मन, महेश पालीवाल,सुनील बंसल एवं अरुण पेंढारकर सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

पंजाब में आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश: क्या सुरक्षा एजेंसियां समय रहते खतरे को पहचान पा रही हैं?

पुलिस की जांच में यह बात भी सामने आई है कि आतंकियों के इस गिरोह ने पंजाब में कई जगह रेल पटरियों के पास निगरानी कैमरे लगाए थे। सरकार का दावा है कि देश में आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है, मगर हकीकत इससे कहीं अलग नजर आती है। सीमा पार से आतंकवाद भारत की सुरक्षा और शांति के लिए आज भी चुनौती बना हुआ है। विदेशी धरती से संचालित होने वाले आतंकी संगठन घुसपैठ से लेकर हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए मौके की तलाश में रहते हैं। आंतरिक सुरक्षा को कमजोर करने की उनकी साजिश कई परतों में दिखाई देती है। पंजाब पुलिस ने बीते मंगलवार को दो आतंकी तंत्रों का भंडाफोड़ कर चार नाबालिगों समेत नौ लोगों को पकड़ा है। पुलिस का दावा है कि ये सभी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम कर रहे थे। साथ ही यह खुलासा भी हुआ है कि आरोपी दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। पुलिस भले ही इसे अपनी कामयाबी के तौर पर देख रही हो, लेकिन इससे सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं कि आखिर इन आतंकी तंत्रों की भनक पहले क्यों नहीं लग पाई? पुलिस की जांच में यह बात भी सामने आई है कि आतंकियों के इस गिरोह ने पंजाब में कई जगह रेल पटरियों के पास निगरानी कैमरे लगाए थे। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इन कैमरों से ली गई तस्वीरें सीमा पार बैठे आकाओं को भेजी जाती थीं। हाल के दिनों में पंजाब में रेल पटरियों पर धमाके की कई घटनाएं हुई हैं और अब उन्हें भी आतंकियों की इसी तरह की साजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। हैरत इस बात की है कि आतंकी गिरोह के सदस्य कैमरे लगाकर रेल पटरियों की नियमित निगरानी कर रहे थे और पुलिस एवं खुफिया एजेंसियों को इसकी जरा भी भनक नहीं लग पाई। यही नहीं, पुलिस का दावा है कि पकड़े गए आतंकी पिछले दिनों विद्यार्थियों के प्रदर्शन के दौरान पेट्रोल बम बनाने का सामान लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर तक पहुंच गए थे। इसे सुरक्षा में लापरवाही नहीं, तो और क्या कहा जाएगा? प्रदर्शन के दौरान आतंकी अगर अपने मंसूबे में कामयाब हो जाते, तो किस तरह की स्थिति पैदा हो सकती थी, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

ट्रंप का तमाचा, मुनीर-शहबाज चितः महाशक्तियों की कूटनीतिक मेज से 'परजीवी' पाकिस्तान हमेशा के लिए आउट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बेहद संवेदनशील शांति वार्ता की मेज से पाकिस्तान को एक झटके में दूध में से मक्खी की तरह निकालकर बाहर फेंक दिया है। 'वार्ता ऑन, पाकिस्तान आउट' का यह सीधा, दोटूक और अपमानजनक संदेश न केवल प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की जोड़ी के मुंह पर एक करारा अंतरराष्ट्रीय तमाचा है, बल्कि यह पाकिस्तान की उस परजीवी विदेश नीति की भी खुली अंत्येष्टि है जो हमेशा दूसरों के विवादों में बिचौलिया और दलाल बनकर अपनी तिजोरी भरने की आदी रही है। कूटनीतिक हलकों में खुद को 'पीस मेकर' यानी शांतिदूत के रूप में स्थापित करने का जो खोखला और हास्यास्पद स्वांग इस्लामाबाद रच रहा था, डोनाल्ड ट्रंप के एक एकल बयान ने उस समूचे ढोंग की धज्जियां उड़ा दी हैं। शहबाज शरीफ और जनरल आसिम मुनीर की यह जोड़ी वैश्विक मंच पर खुद को एक महान रणनीतिक खिलाड़ी साबित करने के चक्कर में किस कदर औंधे मुंह गिरी है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पाकिस्तानी मीडिया और वहां के बिकाऊ रणनीतिकार तो इस कथित मध्यस्थता के लिए मुनीर और शहबाज को नोबेल शांति पुरस्कार तक दिलाने के ख्याली पुलाव पका रहे थे। लेकिन ट्रंप ने कूटनीति के क्रूर यथार्थ से पाकिस्तान का सामना करवाते हुए उसे उसकी असली औकात और हैसियत याद दिला दी है।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों का एक बेहद सीधा और अपरिवर्तनीय कूटनीतिक नियम है कि साख हमेशा अपनी आंतरिक ताकत, आर्थिक संप्रभुता और राष्ट्रीय चरित्र से कमाई जाती है; इसे दुनिया के सामने कटोरा लेकर भीख मांगकर या बयानों की बैसाखियों के सहारे कभी हासिल नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान की आज की सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि वह एक ऐसी बदहाल, खोखली और दिवालिया अर्थव्यवस्था बन चुका है जो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के टुकड़ों, चीनी कर्जों और सऊदी अरब की खैरात के सहारे वेंटिलेटर पर अपनी आखिरी सांसें गिन रही है। जब आपके देश के भीतर आटा, बिजली और पेट्रोल के लिए दंगे हो रहे हों, जब आपकी अवाम दाने-दाने को मोहताज हो, और जब आपकी पूरी हुकूमत केवल विदेशी कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए नए कर्जे तलाशने के उद्देश्य से दुनिया भर के चक्कर काट रही हो, तब आप वैश्विक मंच पर दो परमाणु शक्तियों और महाशक्तियों के बीच सुलह कराने का हास्यास्पद नाटक कैसे कर सकते हैं? शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर की जोड़ी दरअसल पाकिस्तान की आंतरिक बदहाली, बेकाबू महंगाई, राजनीतिक

अस्थिरता और जनता के भयंकर आक्रोश से ध्यान भटकाने के लिए इस कथित वैश्विक मध्यस्थता का एक फर्जी गुब्बारा फुला रही थी। डोनाल्ड ट्रंप ने इस गुब्बारे में सुई चुभोकर इसके चिथड़े-चिथड़े कर दिए हैं, और पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान के कूटनीतिक दिवालियापन को पूरी तरह नंगा कर दिया है। इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि पाकिस्तान के उस चिरपरिचित 'डबल गेम' और धोखेबाज़ी के डीएनए को उजागर करती है, जिससे पूरी दुनिया अब पूरी तरह वाकिफ और आजिज आ चुकी है। पिछले कुछ महीनों से जब अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में तनाव अपने चरम पर था, तब इस्लामाबाद से यह बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे कि पाकिस्तान दोनों पक्षों को एक मेज पर लाने की कूटनीतिक क्षमता रखता है। पाकिस्तानी जनरलों और हुक्मरानों को लग रहा था कि वे एक तरफ ईरान को अपनी सीमा और धार्मिक संबंधों की दुहाई देकर साध लेंगे, और दूसरी तरफ अमेरिका के सामने संकटमोचक और 'फ्रंटलाइन स्टेट' बनने का ढोंग रचकर वाशिंगटन से एक बहुत बड़ा वित्तीय और सैन्य पैकेज ऐंठ लेंगे। पाकिस्तान का इतिहास हमेशा से आतंकवाद और कूटनीति दोनों मोर्चों पर दोहरी चालें चलने का रहा है। एक तरफ वह अमेरिका से डॉलर लेता था, तो दूसरी तरफ ओसामा बिन लादेन जैसे खूंखार आतंकियों को अपनी सैन्य छावनियों के बगल में पनाह देता था। कूटनीति की मेज पर भी वह यही घिनौना खेल खेल रहा था। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के शीर्ष रणनीतिकारों और सेवानिवृत्त जनरल जैक कीन जैसे दिग्गजों ने बहुत पहले ही वाशिंगटन को आगाह कर दिया था कि पाकिस्तान मध्यस्थता के नाम पर एक निष्पक्ष दूत की भूमिका निभाने के बजाय अंदरूनी तौर पर ईरान के हितों की वकालत कर रहा है और अमेरिकी खुफिया जानकारियों को लीक करने का जोखिम पैदा कर रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इस धोखेबाज़ी को समय रहते भांप लिया और पाकिस्तान की पीठ में छुरा घोंपने की इस पुरानी आदत को कड़ा जवाब देते हुए उसे वार्ता के कमरे से धक्के मारकर बाहर निकाल दिया।

डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस से जारी अपने बयान में बेहद क्रूर और साफ शब्दों में कहा कि ईरान के अनुरोध पर दोनों देशों के बीच बातचीत का सिलसिला दोबारा पूरी तत्परता के साथ शुरू हो चुका है, लेकिन इस बेहद महत्वपूर्ण प्रक्रिया को अंजाम तक पहुंचाने में उन्होंने केवल खाड़ी के जिम्मेदार और आर्थिक रूप से सुदृढ़ देशों—सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर की भूमिका को सराहा और उन्हें ही इस वार्ता का वास्तविक आधार स्तंभ माना। इस पूरी फेहरिस्त से पाकिस्तान का नाम पूरी तरह गायब होना कोई अनजानी भूल या कूटनीतिक चूक नहीं है, बल्कि यह पाकिस्तान का एक सोचा-समझा, रणनीतिक और बेहद अपमानजनक कूटनीतिक बहिष्कार है। इससे भी बड़ी और ऐतिहासिक फजीहत पाकिस्तान की तब हुई जब ट्रंप ने यह साफ कर दिया कि यदि दोनों देशों के बीच कोई ऐतिहासिक समझौता या संघर्षविराम होता है, तो उसका आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह इस्लामाबाद या पाकिस्तान की धरती पर आयोजित करने का सवाल ही पैदा नहीं होता; यह भव्य कार्यक्रम यूरोप के किसी प्रतिष्ठित और विश्वसनीय शहर में आयोजित किया जाएगा। इस एक फैसले ने पाकिस्तान को उस वैश्विक मंच पर पूरी तरह अछूत और हाशिए पर धकेल दिया, जहां वह मुख्य नायक बनने का स्वांग रच रहा था और कूटनीतिक माइलेज लेने की फिराक में था।

सवाल यह उठता है कि आखिर महाशक्ति अमेरिका और वैश्विक बिरादरी अब पाकिस्तान की छाया से भी परहेज क्यों कर रहे हैं? इसका कारण यह है कि वैश्विक राजनीति अब केवल यथार्थवाद और आर्थिक साख के सिद्धांतों पर चलती है। आज सऊदी अरब, यूएई और कतर जैसे देश केवल तेल संपन्न देश नहीं हैं, बल्कि उनके पास ठोस कूटनीतिक विश्वसनीयता, स्थिर सरकारें, मजबूत नेतृत्व और अरबों डॉलर का निवेश प्रभाव है, जिसके बल पर वे वैश्विक फैसलों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके विपरीत, पाकिस्तान की साख एक अंतरराष्ट्रीय भिखारी और आतंकवाद की नर्सरी से ज्यादा कुछ नहीं रह गई है। एक ऐसा देश जहां आज भी टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) और बलूच विद्रोही चीनी इंजीनियरों और पाकिस्तानी फौजियों को उनके बैरकों में घुसकर मार रहे हैं, जहां आंतरिक सुरक्षा पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, वह देश दुनिया को सुरक्षा और शांति की गारंटी देने चला था। पाकिस्तानी फौज के मुखिया जनरल आसिम मुनीर, जो देश के भीतर अपनी अलोकप्रियता को छिपाने के लिए और न्यायपालिका से लेकर चुनाव तक की संस्थाओं को अपने बूटों तले रौंदने के लिए कुख्यात हैं, उन्हें लग रहा था कि वे इस वैश्विक संकट के मसीहा बनकर अपनी गिरती साख को बचा लेंगे। लेकिन ट्रंप के इस करारे चांटे ने मुनीर के उस अहंकार को चकनाचूर कर दिया है जो वे पाकिस्तानी जनता पर गोलियां चलवाकर अर्जित करते हैं।

इस कूटनीतिक पराजय के बाद अब इस्लामाबाद के गलियारों में मातम, हताशा और गहरी छटपटाहट का माहौल साफ देखा जा सकता है। अपनी जाहिल और त्रस्त जनता के सामने चेहरा बचाने के लिए शहबाज सरकार के मंत्री और आईएसपीआर के प्रोपेगैंडा बाज अब भी यह खोखला तर्क देने की कोशिश कर रहे हैं कि ईरान और उनके बीच अब भी संपर्क बना हुआ है और पाकिस्तान पर्दे के पीछे से भूमिका निभा रहा है। लेकिन कड़वा और नंगा सच यह है कि अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति में बिना अमेरिकी सहमति और मुहर के किसी भी मध्यस्थ की हैसियत पूरी तरह शून्य होती है। पाकिस्तान इस वार्ता से पूरी तरह 'आउट' हो चुका है और उसकी स्थिति उस बिन बुलाए मेहमान जैसी हो गई है जिसे शादी के मंडप से बेइज्जत करके बाहर निकाल दिया गया हो। यह मुनीर-शहबाज की उस हाइब्रिड हुकूमत के ताबूत में आखिरी कील है, जिसने पाकिस्तान को पूरी दुनिया में एक मज़ाक और कूटनीतिक विदूषक बनाकर छोड़ दिया है।

अंततः, 'ठेंगा दिखाने' और इस अपमानजनक कूटनीतिक बहिष्कार की यह घटना पाकिस्तान के लिए एक अंतिम चेतावनी है। इस्लामाबाद के हुक्मरानों को यह समझ लेना चाहिए कि भू-राजनीति में मुफ्त की वाहवाही, दोहरी चालबाजी और ब्लैकमेलिंग के दिन अब हमेशा के लिए लद चुके हैं। जब तक कोई देश आंतरिक रूप से मजबूत, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और अपनी नीतियों में ईमानदार नहीं होता, तब तक महाशक्तियां उसे केवल एक 'इस्तेमाल करो और फेंको' वाले टिशू पेपर से ज्यादा अहमियत नहीं देतीं। डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को बाहर का रास्ता दिखाकर वैश्विक कूटनीति की एक नई और कठोर रेखा खींच दी है। इस्लामाबाद के लिए बेहतर होगा कि वह नोबेल पुरस्कारों के ख्याली पुलाव पकाना और दुनिया के विवादों में दलाली करना बंद करे, और अपनी घरेलू बदहाली, भुखमरी और आतंकवाद के कैंसर को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करे। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब वैश्विक बिरादरी पाकिस्तान को पूरी तरह प्रतिबंधित कर एक अंतरराष्ट्रीय अछूत घोषित कर देगी, और शहबाज-मुनीर की जोड़ी इतिहास के पन्नों में पाकिस्तान की बर्बादी के सबसे बड़े गुनहगारों के रूप में दर्ज की जाएगी।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

'सृजन संवाद' के माध्यम से विद्यार्थियों को कानून, अधिकार एवं सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

थाना नौगांव का कराया शैक्षणिक भ्रमण

अजय नलवाया (7879800048)

धार • दैनिक इंदौर संकेत

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक धार सचिन शर्मा (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट विद्यालय, धार में 'सृजन संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस, स्कूल शिक्षा विभाग एवं ह्यूमन्क्स के तकनीकी सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता, उत्तरदायी नागरिकता, सुरक्षा-बोध तथा पुलिस एवं समाज के बीच विश्वास एवं संवाद को सुदृढ़ करना है।

कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियां – कार्यक्रम में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को भारतीय संविधान, बाल अधिकार, किशोर न्याय अधिनियम (JJ Act), पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, सड़क सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, नारकोटिक्स तथा अन्य महत्वपूर्ण कानूनी विषयों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने संवादात्मक शैली में विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए उन्हें कानून, नागरिक अधिकारों, पुलिस सहायता,

डायल-112 सेवा तथा महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित सुरक्षा तंत्र की जानकारी व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रदान की।

थाना नौगांव का शैक्षणिक भ्रमण – कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को थाना नौगांव का भ्रमण भी कराया गया, जहां उन्हें थाने की कार्यप्रणाली, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया, पुलिस रिकॉर्ड संधारण, नागरिक सेवाओं एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की भूमिका से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने पुलिस अधिकारियों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

विद्यार्थियों की सहभागिता – कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों से फीडबैक लिया गया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताते हुए कानून, साइबर सुरक्षा, पुलिस व्यवस्था एवं अपने अधिकारों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होने की बात कही।

उपस्थित अधिकारी – कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, जिला शिक्षा अधिकारी पुष्पेंद्र सस्तिया, उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) आनंद तिवारी, रक्षित निरीक्षक पुरुषोत्तम बिश्नोई, उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अमिता वाजपेयी, विद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

साध्वी ऋतंभरा ने दी गुरु दीक्षा, परमशक्ति पीठ की नई कार्यकारिणी का ऐलान

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • ओंकारेश्वर के जायसवाल अतिथि भवन में परमशक्ति पीठ आश्रम द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। पद्मभूषण साध्वी ऋतंभरा के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। संविद गुरुकुलम की छात्राओं ने गणेश वंदना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांधा, जिसके बाद साध्वी ऋतंभरा ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। समारोह के दौरान साध्वी ऋतंभरा जी ने कई श्रद्धालुओं को गुरु दीक्षा दी। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि सच्चा गुरु शिष्य को उसके असली स्वरूप से पहचान कराता है और उसे अज्ञान के अंधेरे से ज्ञान के उजाले की ओर ले जाता है। गुरु जीवन को सही राह दिखाने के साथ-साथ इंसान के भीतर आत्मविश्वास, दया और सकारात्मक सोच जगाता है। कार्यक्रम के मंच से परमशक्ति पीठ संचालन समिति की नई कार्यकारिणी का ऐलान भी किया गया। इसमें स्वामी परमानंद गिरि जी महाराज

को मुख्य संरक्षक, साध्वी ऋतंभरा जी को अध्यक्ष, साध्वी साक्षी चेतना जी को आश्रम संचालिका और पीडी अग्रवाल को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर साध्वी साक्षी चेतना दीदी, स्वामी सत्यशील महाराज और महामंडलेश्वर स्वामी सत्यश्रेय महाराज समेत कई संत और समाजसेवी मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में सतीश इंगले, कान्हा पुरोहित, गजेंद्र बिरला और रिंकू गुप्ता समेत कई कार्यकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा।

स्वस्थ युवा-स्वस्थ भारत अभियान के तहत महाराजा भोज महाविद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

धार • महाराजा भोज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धार में बुधवार को रेड रिबन क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना समिति एवं उमंग हेल्थ एंड वेलनेस के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वस्थ युवा-स्वस्थ भारत' अभियान के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सकीय जाँच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस. बघेल एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. आयशा खान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय पर बीमारियों की पहचान एवं रोकथाम संबंधी जानकारी प्रदान करना था।

शिविर में नेत्र विशेषज्ञों द्वारा दृष्टि एवं नेत्र संबंधी समस्याओं की जाँच की गई। साथ ही विद्यार्थियों का वजन एवं ऊँचाई के आधार पर बीएमआई परीक्षण कर पोषण संबंधी परामर्श दिया गया। विशेषज्ञों ने सामान्य स्वास्थ्य, संतुलित जीवनशैली, तनाव प्रबंधन एवं नशा मुक्ति विषयों पर भी परामर्श प्रदान किया। शिविर का आयोजन

रेड रिबन क्लब की प्रभारी प्रो. राजश्री विभूते, सदस्य प्रो. कविता पॉल, डॉ. रेखा शर्मा, क्रीड़ा अधिकारी श्री रिदम हरोड, उमंग हेल्थ एंड वेलनेस, राष्ट्रीय सेवा योजना समिति तथा राजा भोज जिला चिकित्सालय के संयुक्त सहयोग से किया गया। शिविर में प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। इसी अवसर पर महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आचार्य प्रफुल्लचंद्र राय जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी डॉ. आयशा खान ने भारतीय ज्ञान परंपरा और रसायन विज्ञान के गहरे संबंध पर प्रकाश डाला। डॉ. प्रभा सोनी ने दैनिक जीवन में रसायन विज्ञान के महत्व को रेखांकित किया। रसायन विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुलोचना पाटिल ने रसायन विज्ञान की अवधारणा एवं उसके महत्व पर विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता डॉ. रीना गामी ने आचार्य प्रफुल्लचंद्र राय के जीवन एवं रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान पर विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को अपने जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. चौहान ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान की समृद्ध विरासत पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रमेश जमरा ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. मीरा जामोद ने किया। इस अवसर पर डॉ. आशीष बघेल, सहायक प्राध्यापक सुनील जमरा सहित प्राध्यापक नरेंद्र चौहान, डॉ. बी.एस. सिसोदिया, डॉ. अमित पाटीदार, डॉ. निर्भय सिंह सोलंकी, सुरेश रावत तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ई-टोकन और हाइब्रिड मोड से मिलेगा खाद, कृषि विभाग ने वितरण के लिए नई व्यवस्था की

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर • किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग ने मनावर में ई-टोकन और हाइब्रिड मोड, दोनों माध्यमों से खाद वितरण की व्यवस्था लागू की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के लिए केवल ई-टोकन के माध्यम से ही खाद लेना अनिवार्य नहीं है। वे अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी विकल्प से उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं। मनावर कृषि विभाग के एसओडीओ महेश बर्मन ने बताया कि ई-टोकन से खाद बुक कराने वाले किसानों के लिए संबंधित सहकारी समिति में निर्धारित मात्रा का उर्वरक सुरक्षित रखा जाएगा। ऐसे किसानों को उनके टोकन के आधार पर खाद उपलब्ध कराया जाएगा। विभाग के अनुसार ई-टोकन धारकों को वितरण पूरा होने के बाद सोसायटी में उपलब्ध शेष खाद हाइब्रिड मोड के माध्यम से उन किसानों को दिया जाएगा, जिनका ई-टोकन नहीं बन पाया है।

2.5 करोड़ के विकास कार्य शूरू, विधायक ने 1.5 करोड़ के सब्जी मंडी डोम का भूमिपूजन

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • बुधवार को 2.5 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया गया। पूर्व मंत्री और विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने 1.5 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले आधुनिक सब्जी मंडी डोम की आधारशिला रखी। नगर पालिका के लिए खरीदे गए 10 नए कचरा वाहनों का लोकार्पण किया। विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने कहा कि आधुनिक सब्जी मंडी डोम बनने से व्यापारियों, किसानों को बारिश और तेज धूप से राहत मिलेगी। साथ ही मंडी में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने से व्यापारिक गतिविधियां अधिक सुगम होंगी। इसके अलावा शहर के 4 वार्डों में सीमेंट-कांक्रीट सड़कों के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया। इन सड़कों के बनने से 5 हजार से अधिक नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे रहवासियों को इससे राहत मिलने की उम्मीद है।

नगर पालिका ने सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए खरीदे गए 10 नए कचरा वाहनों का भी लोकार्पण किया। इन वाहनों की कुल लागत 10 लाख रुपए बताई गई है। विधायक पाटीदार ने बताया कि अब शहर के प्रमुख बाजारों और व्यस्त क्षेत्रों में रात के समय नियमित सफाई की जाएगी। इससे दिन में यातायात और व्यापार प्रभावित नहीं होगा। 24 घंटे सक्रिय रहने वाले बाजार क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि शहर के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए इस तरह के विकास कार्य आगे भी लगातार जारी रहेंगे। इस अवसर पर नगर पालिका सीएमओ कमला कौल, स्वास्थ्य अधिकारी प्रकाश चित्ते, लोक निर्माण समिति सभापति धीरेंद्रसिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और पार्षद मौजूद रहे।

बुमराह की खराब फिटनेस से उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर उठे सवाल

मुंबई (एजेंसी) • गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर लगातार संघर्ष करते रहे हैं। इसी कारण वह बार-बार टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। ऐसे में अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में उनके खेलने को लेकर टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण ये है कि पिछले बुमराह पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये हैं। ऐसे में उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अपने अनूठी एक्शन और सटीक यॉर्कर के कारण क्रिकेट जगत में एक अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं पर यही उनकी फिटनेस के लिए भी एक चुनौती बन गई है। बीसीसीआई द्वारा उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दिए जाने के बावजूद, बुमराह की मैदान पर उपलब्धता एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। क्रिकेट के मैदान पर उतरने के बाद कोई भी खिलाड़ी अपने को चोटों से ज्यादा समय तक नहीं बचा पाता, और बुमराह इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 970 दिनों की अवधि में बुमराह ने भारतीय टीम के लिए केवल 3 एकदिवसीय मैच खेले हैं। यह आंकड़ा

तब और भी हैरान करने वाला हो जाता है जब हम देखते हैं कि इसी दौरान भारतीय टीम ने कुल 29 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिसका अर्थ है कि बुमराह ने इनमें से 26 महत्वपूर्ण मैचों को नहीं खेला है। 2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के बाद से ही हां बुमराह कुछ ही एकदिवसीय मैचों में ही मैदान पर दिखे हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या बुमराह अपनी इस सीमित उपलब्धता के साथ भारतीय टीम को 2027 का एकदिवसीय विश्व कप जिताने में सक्षम होंगे? साथ ही, वर्कलोड मैनेजमेंट पर इतना जोर दिए जाने के बावजूद उनकी पूरी फिटनेस हासिल न कर पाना भी कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

बुमराह की अनुपस्थिति सिर्फ एकदिवसीय फॉर्मेट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि चोट और वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण वह टेस्ट और टी-20 फॉर्मेट से भी लगातार बाहर रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में, साल 2023 के बाद से भारतीय टीम ने कुल 27 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से बुमराह केवल 22 में ही मैदान पर उतर सके हैं, यानी 5 टेस्ट मैचों से उन्हें बाहर रहना पड़ा। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट, टी-20 में तो स्थिति और भी चिंताजनक है। 2023 वनडे विश्व कप के बाद से भारतीय टीम ने कुल 78 टी-20 मैच खेले हैं, जिनमें से बुमराह ने सिर्फ 33 में ही हिस्सा लिया है। इसका मतलब है कि उन्होंने चोट या वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर 45 टी-20 मुकाबलों में मैदान से बाहर ही समय बिताया है। बुमराह की यह लगातार चोटें न केवल उनके स्वयं के करियर के लिए बल्कि भारतीय टीम के लिए भी एक बड़ा सिरदर्द बन गई हैं। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर वह एकदिवसीय सीरीज में घुटने की चोट का शिकार हो गये। इसी कारण अब वह श्रीलंका दौरे से भी बाहर हो गये हैं।

नेमार दिसंबर के बाद क्लब फुटबॉल से भी ले सकते हैं संन्यास

साओ पाउलो (एजेंसी) •ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार के क्लब भविष्य को लेकर भी संशय छाया हुआ है। नेमार ने विश्वकप के बाद अंतराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया था पर अब कहा जा रहा है कि वह क्लब स्तर के मुकाबले भी इस साल के अंत तक ही खेलेंगे। वहीं नेमार का कहना है कि वह अभी दिसंबर तक क्लब स्तर पर खेलते रहेंगे और उसके बाद हालातों की समीक्षा कर आगे का फैसला करेंगे। उन्होंने दिसंबर के बाद के अपने भविष्य को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। जिससे उनके प्रशंसक संशय में हैं। सैंटोस एफसी के लिए खेलने वाले नेमार ने कहा कि फिलहाल उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने अपने प्रशंसकों और फुटबॉल जगत को आश्वस्त करते हुए कहा, मैं अभी संन्यास के बारे में नहीं सोच रहा हूं। नेमार ने यह भी स्पष्ट किया कि वह अभी अपने भविष्य को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं कर रहे हैं और दिसंबर तक सैंटोस के साथ अपना मौजूदा अनुबंध पूरा करना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने दिसंबर के बाद क्या होगा, इस पर अपनी

अनिश्चितता खुले तौर पर जाहिर की। उन्होंने कहा, अभी कुछ नहीं बता सकता, दिसंबर तक अभी समय है, फिर देखेंगे। नेमार के इस बयान के बाद उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। उनके इस खुलेपन ने इस बात को बल दिया है कि दिसंबर के बाद उनके पास कई विकल्प खुले हो सकते हैं। 34 वर्षीय नेमार पिछले कुछ वर्षों में लगातार चोटों से जूझते रहे हैं, जिसने उनके खेल और करियर दोनों पर गहरा असर डाला है। हाल ही में वह ग्रेड-2 पिंडली की गंभीर चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे थे, और इसी चोट का असर उनके 2026 विश्व कप अभियान पर भी पड़ा था, जिसके चलते ब्राजील टीम को काफी नुकसान हुआ। लगातार चोटों से जूझने के बावजूद नेमार का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है, उन्होंने ब्राजील के लिए चार गोल किए और राष्ट्रीय टीम के इतिहास में चार अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम दर्ज कराया।

कलर्स वापस लेकर आ रहा है खतरों के खिलाड़ी, डर का नया दौर

मुंबई (एजेंसी) • 'सबसे बड़ी लड़ाइयाँ दुनिया से नहीं, बल्कि डर से लड़ी जाती हैं।' यही विश्वास हर सीज़न में 'खतरों के खिलाड़ी' की पहचान रहा है और दो साल के इंतज़ार के बाद यह जंग अब और भी बड़े पैमाने पर लौट रही है। कलर्स एक बार फिर लेकर आ रहा है इंडियाज़ का सबसे आइकॉनिक स्टंट-बेस्ड रियलिटी स्पेक्टेकल, अपने सबसे बड़े, सबसे बोल्ड और सबसे अनफ़ॉरगिविंग अवतार में, जो लेकर आया है 'डर का नया दौर'। ब्लॉकबस्टर फ़िल्ममेकर और एक्शन मास्ट्रो रोहित शेट्टी एक बार फिर संभालेंगे टेलीविज़न के इस अल्टीमेट बैटलफ़ील्ड ऑफ़ करेज़ की कमान। उनके साथ जुड़ रहे हैं 13 निडर सेलिब्रिटीज़ गौरव खन्ना, फर्हाना भट्ट, हर्ष गुर्जराल, रुबीना दिलैक, ओरहान अवात्रमणि (ऑरी), शगुन शर्मा, अविनाश मिश्रा, जैस्मिन भसीन, करण वाही, ऋत्विक धनजानी, विशाल आदित्य सिंह, अविका गोर और रुहानिका धवन। ये सभी तैयार हैं अपने सबसे गहरे डर का सामना करने के लिए, हिम्मत, सहनशीलता और सर्वाइवल की अल्टीमेट परीक्षा में। यह सिर्फ़ एक मशहूर फ्रैंचाइज़ी की वापसी नहीं है; यह है डेंजर-टेनमेंट के नए दौर की शुरुआत। अपने लेजेंड्री होम ग्राउंड, केप टाउन, साउथ अफ्रीका 'डर का घर' पर लौटते हुए, फ्रैंचाइज़ी फिर से उस जगह पर पहुँच रही है जहाँ अनगिनत यादगार लड़ाइयाँ डर के खिलाफ़ लड़ी गईं। लेकिन इस बार, डर बदल चुका है। हर स्टंट को नए सिरे से सोचा गया है, हर चैलेंज को और भी कठिन बनाया गया है, और हर बाधा इस तरह डिज़ाइन की गई है कि वह सिर्फ़ शारीरिक ताक़त ही नहीं बल्कि मानसिक सहनशीलता, स्ट्रैटेजिक थिंकिंग और डर को जीतने की इच्छाशक्ति की भी परीक्षा ले। स्टेक्स को और ऊँचा करने आ रहा है ऑल-न्यू 'पेन ऑक्शन', जहाँ हर हफ़्ते कंटेस्टेंट्स को शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करना होगा यह साबित करने के लिए कि किसके पास दर्द सहने की सबसे ज़्यादा क्षमता किसमें है? सीमाओं को पहले से कहीं ज़्यादा आगे बढ़ाते हुए, इस सीज़न में पहली बार 'खतरों के खिलाड़ी' के इतिहास का पहला वैक्यूम स्टंट देखने को मिलेगा और कंटेस्टेंट्स को अपने पर्सनल डर का सामना करना होगा। अनप्रेडिक्टेबल ट्विस्ट्स, लगातार एक्शन और सीट के किनारे पर बैठा देने वाले मोमेंट्स से भरपूर, 'खतरों के खिलाड़ी: डर का नया दौर' वादा करता है एक ऐसे सीज़न का जहाँ डर की कोई सीमा नहीं होगी।

फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर बोली कियारा

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपने जन्मदिन के मौके पर अपनी आने वाली फिल्म टॉक्सिक में अपने किरदार नादिया को लेकर खुलकर बात की है। फिल्म में यश को प्रमुखता दिए जाने और महिला पात्रों को कम महत्व मिलने की दर्शकों की शिकायतों के बीच, मेकर्स ने कियारा का एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह लाल रंग की ड्रेस में बेहद सुंदर दिख रही हैं। फिल्म प्रोडक्शन ने कियारा को जन्मदिन की बधाई देते हुए पोस्टर साझा किया है। एक इंटरव्यू में कियारा ने बताया कि जब उन्हें फिल्म की कहानी सुनाई गई तो वह बेहद प्रभावित हुई। उनके अनुसार, नादिया का किरदार गहराई से लिखा गया है और इसमें भावनाओं के कई रंग देखने को मिलेंगे, जैसे कमजोरी, मजबूती और अकेलेपन का एहसास। कियारा ने कहा कि वह हमेशा से ऐसे चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली किरदार की तलाश में थीं। टॉक्सिक की कहानी सुनने के बाद उन्हें लगा कि वह ऐसे कठिन रोल निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

उज्जैन संभाग

श्री महाकाल महालोक में सांस्कृतिक संध्या की प्रस्तुतियों से शिवमय हुआ वातावरण

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा श्रावण-भादौ मास के अवसर पर श्री महाकाल महालोक में आयोजित श्री महाकालेश्वर सांस्कृतिक संध्या के द्वितीय दिवस गायक अनमोल जैन, वादक मनोज बावरा एवं कथक नृत्यांगना सुश्री मयूरी की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिव भजनों, शास्त्रीय वादन और शिव तांडव सहित कथक नृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुतियों से महालोक का वातावरण शिवमय हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पं. भूषण गुरु एवं डॉ. रमण सिंह सोलंकी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उप प्रशासक एस.एन. सोनी एवं सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने अतिथियों एवं कलाकारों का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शेफाली चतुर्वेदी ने किया। समिति द्वारा आयोजित सांस्कृतिक संध्या के अंतर्गत 6 अगस्त को भोपाल की रेवा रायजादा का एकल नृत्य, इंदौर की आकृति सोनी का गायन तथा विवेक मेहता की भक्ति संगीत प्रस्तुति होगी।

सिंहस्थ प्लान तैयार श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 63 हजार पुलिसकर्मी होंगे तैनात

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ महाकुंभ के लिए उज्जैन पुलिस ने सुरक्षा का ढांचा तैयार किया है। 9 अप्रैल से 8 मई 2028 तक चलने वाले इस 30 दिवसीय आयोजन में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। अमृत स्नान पर एक ही दिन में करीब 5 करोड़ श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम में एडीजी राकेश गुप्ता और डीआईजी नवनीत भसीन समेत एसपी प्रदीप शर्मा की मौजूदगी में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एसपी शर्मा ने 3,000 हेक्टेयर में फैले संभावित मेला क्षेत्र के लिए तैयार की गई पूरी कार्ययोजना का विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। बताया कि मेला क्षेत्र को 10 जोन और 40 सेक्टरों में विभाजित किया जाएगा। सुरक्षा के लिए 62,950 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और 500 राजपत्रित अधिकारियों की तैनाती का प्रस्ताव है। पूरे मेला क्षेत्र में 80 अस्थायी थाने बनाए जाएंगे। एडीजी गुप्ता और डीआईजी भसीन ने सभी तैयारियों को समयबद्ध और तकनीक आधारित रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि सुरक्षित सिंहस्थ, सफल सिंहस्थ की संकल्पना को साकार किया जा सके।

महाकाल सवारी मार्ग का दो मंजिला मकान गिराया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाकाल की सवारी मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने बुधवार को ढाबा रोड स्थित एक खतरनाक जर्जर दो मंजिला भवन को ध्वस्त कर दिया। सावन माह की अभी पांच सवारियां शेष हैं और आगामी सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए निगम किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहता। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, भवन लंबे समय से जर्जर हालत में था और उसमें कोई रहवासी नहीं था। सुरक्षा की दृष्टि से पहले पूरे क्षेत्र की बैरिकेडिंग की गई, इसके बाद निगम अमले ने भवन के गिराऊ हिस्सों को हटाने की कार्रवाई की। महाकाल की पहली सवारी के दौरान मार्ग पर एक भवन से मलबा गिरने की घटना के बाद निगम ने सवारी मार्ग पर स्थित सभी जर्जर भवनों का सर्वे शुरू किया था। उसी क्रम में यह कार्रवाई की गई, ताकि शेष सवारियों के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि

महाकाल सवारी मार्ग पर स्थित जर्जर और जोखिम वाले भवनों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जिन भवनों से दुर्घटना की आशंका है, उनके असुरक्षित हिस्सों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा मार्ग पर मौजूद अस्थायी अतिक्रमण, सड़क और नालियों से जुड़े अवरोध तथा अन्य संभावित जोखिमों को भी चिन्हित कर समयबद्ध तरीके से दूर किया जा रहा है, ताकि सवारी और सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

महाकाल के बेसन लड्डू प्रसाद का स्वाद बदला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्री महाकालेश्वर मंदिर के लड्डू प्रसाद का स्वाद इन दिनों बदला हुआ है। अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा लड्डू तैयार करने और लड्डू सिकाई में घी की मात्रा कम होने के कारण स्वाद में बदलाव आया है। इन दिनों मंदिर में प्रसाद की डिमांड भी अधिक है। भगवान श्री महाकालेश्वर का बेसन लड्डू प्रसाद देशभर में प्रसिद्ध है। दूर-दूर से यहां आने वाले लोग लड्डू प्रसाद जरूर लेते हैं। इन लड्डुओं का निर्माण मंदिर की चिंतामन स्थित लड्डू निर्माण इकाई में होता है। 80 कर्मचारी लड्डू बनाने के काम में जुटे हैं। अप्रैल महीने से यहां पर केएसएस कंपनी के ऐसे कर्मचारी लड्डू

बना रहे हैं जिन्हें इस काम का बिल्कुल भी अनुभव नहीं है। इस कारण हर लड्डू के हर घान में अलग-अलग स्वाद मिल रहा है। जबकि जरूरत यहां एक ही रेसिपी के मुताबिक लड्डू तैयार करने की है। इसके पहले लड्डू बनाने का काम एक हलवाई ग्रुप को दिया हुआ था। ये ग्रुप बेसन की सिंकाई से लेकर उसे तैयार करने का काम करता था। फिर उसके लड्डू बनाना और पैकिंग का काम अन्य कर्मचारी करते थे। मंदिर के लड्डू पहले काफी खस्ता और दानेदार होते थे। जिसका कारण बेसन की एक-सी आंच पर लंबी सिंकाई और बेसन में शुद्ध घी की मात्रा का कांबिनेशन था। गर्मी के दिनों में बेसन सिंकाई में उपयोग किया गया देसी घी लड्डू छोड़ देते थे। जिसे देखकर अधिकारियों को लगा कि यह घी की बर्बादी है। इस कारण उन्होंने घी की मात्रा कम करवा दी। इससे स्वाद में भी अंदर आ गया। इसके बाद हलवाई ग्रुप को हटाकर निजी कंपनी के कर्मचारियों से लड्डू बनवाया जाने लगा।

उज्जैन से विदिशा तक कावड़ यात्रा, 350 श्रद्धालुओं ने शिप्रा जल लेकर 20 घंटे में की पूरी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • शहर में पहली बार डाक कावड़ यात्रा का आयोजन हुआ, जिसमें विदिशा जिले के ग्राम बिछिया से सोमवार को आए 350 श्रद्धालु मोक्षदायिनी शिप्रा का पवित्र जल लेकर मंगलवार रात करीब 11.30 बजे अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। श्रद्धालुओं का दल लगातार दौड़ते हुए करीब 20 घंटे में कठिन यात्रा पूरी कर बिछिया पहुंचा। यात्रियों के संकल्प व लंबी दौड़ को देखते हुए कृषि मंडी परिसर में उनके स्वास्थ्य परीक्षण व अन्य व्यवस्थाएं की गईं। उज्जैन आए डाक कावड़ यात्रियों का वरिष्ठ समाजसेवी नारायण यादव ने उत्साहवर्धन किया तथा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अन्य सुविधाएं सुनिश्चित कराईं। आरोग्य भारती उज्जैन की टीम ने मंडी परिसर में 350 से अधिक यात्रियों की स्वास्थ्य जांच कर जरूरी परामर्श दिया। व्यापारी संघ ने भी यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराईं। मंगलवार रात को डाक कावड़ यात्रियों ने उज्जैन से प्रस्थान किया। कावड़ियों के सेवा कार्य में अनाज व्यापारी एसो. अध्यक्ष जितेंद्र

अग्रवाल, सचिव हजारीलाल मालवीय, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, विजय कोठारी और राजेंद्र राठौर का सहयोग रहा। स्वास्थ्य सेवा में आरोग्य भारती मालवा प्रांत के सहसचिव डॉ. दिवाकर पटेल, महानगर उज्जैन सचिव मनीष अग्रवाल, वन औषधि प्रमुख डॉ. दीपक जोशी, ग्रामीण टोली के सदस्य एमडी अहिरवार सहित कार्यकर्ताओं ने सेवा दी। आरोग्य भारती के ग्रामीण अध्यक्ष एसपी अहिरवार ने कहा इस कठिन यात्रा के दौरान स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करा कर संस्था की सेवा, संस्कार और समर्पण भावना को साकार किया।

दो माह पहले प्रस्ताव पास, टेंडर और वर्क ऑर्डर में ही उलझी पंवासा की नई मल्टी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ की तैयारियों के तहत हरसिद्धि मंदिर के पास स्थित गौंड बस्ती आवासीय मल्टी को हटाने और वहां रहने वाले 360 परिवारों के पुनर्वास का प्रोजेक्ट फाइलों में ही अटका हुआ है। नगर निगम द्वारा विस्थापितों के लिए पंवासा क्षेत्र में 32 करोड़ की लागत से बनने वाली नई मल्टी का प्रस्ताव पास हुए 2 महीने से अधिक का समय बीत चुका है। इसके बावजूद योजना अभी तक केवल टेंडर और वर्कऑर्डर की प्रक्रिया में ही उलझी है। मैदानी स्तर की बात करें तो जमीन पर काम बिल्कुल भी शुरू नहीं हो सका है। आगामी बारिश के महीनों में निर्माण कार्य पूरी तरह प्रभावित रहने वाला है, जिससे प्रोजेक्ट में और देरी होना तय है। योजना के अनुसार जब तक पंवासा में नई मल्टी बनकर तैयार नहीं हो जाती, तब तक परिवारों की शिफ्टिंग संभव नहीं है। ऐसे में नई मल्टी बनने और लोगों के शिफ्ट होने के बाद ही हरसिद्धि क्षेत्र स्थित पुरानी गौंड बस्ती के भवन को तोड़ा जा सकेगा और वहां सिंहस्थ के विकास कार्य शुरू हो पाएंगे।

प्रवक्ता बने राकेश यादव के धन्यवाद पोस्टर ने भाजपा के नेताओं के बीच चल रहे कोल्डवार को दिखाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कांग्रेस से बीजेपी में आए और तत्काल प्रदेश प्रवक्ता बने राकेश यादव ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और उनके गुट को राजनीतिक जवाब दिया। जब यादव ने कांग्रेस में रहते हुए जीतू पटवारी व अन्य पर हमला बोला तब विजयवर्गीय ने कहा था कि कौन राकेश यादव? मैं नहीं जानता। कांग्रेस से बीजेपी में आकर नए-नवेले प्रदेश प्रवक्ता बने राकेश यादव के हितैषियों ने उनकी पदस्थापना को लेकर विज्ञापन जारी किया है।

यह विज्ञापन उनकी नियुक्ति से ज्यादा मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला और उनके गुट को दरकिनार करने को लेकर अधिक चर्चा में आ गया है। इसने इंदौर के कई नेताओं को ठेंगा दिखा दिया है। इससे राजनीतिक मतभेद तेजी से उभर गए हैं।

यादव के इस विज्ञापन में सीएम मोहन यादव और प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे को प्रमुखता से लिया गया है। उल्लेखनीय है कि द सूत्र ने यादव के बीजेपी में आने की इनसाइड स्टोरी में बताया था कि, इसमें रणदिवे की अहम भूमिका है।

इसके साथ ही बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ ही इंदौर के नेताओं में सांसद शंकर लालवानी, मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक मालिनी गौड़, विधायक मधु वर्मा और विधायक गोलू शुक्ला को लिया गया है। विधायक पुत्र एकलव्य गौड़ और सांसद प्रतिनिधि विशाल गिदवानी भी हैं।

इस विज्ञापन में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ ही शहर के प्रथम नागरिक महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक रमेश मेंदोला, विधायक महेंद्र हार्डिया को भी दरकिनार किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष पद पर हेमंत खंडेलवाल के बनने के बाद इंदौर में राजनीतिक गुटबाजी तेज हुई है। इसमें तिकड़ी के रूप में गौरव रणदिवे, विधायक पुत्र एकलव्य और सावन सोनकर प्रमुख रूप से हैं। मप्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के प्रताप करोसिया भी इनके साथ हैं। यह गुट एक-दूसरे को सपोर्ट कर रहा है।

मंत्री बोले थे - कौन राकेश यादव?

दरअसल कांग्रेस से बीजेपी में आने से पहले यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और इसमें जीतू पटवारी व अन्य पर जमकर हमला बोला और अपनी पार्टी को घेरा। इसके बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से जब इस पर प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने मीडिया से कहा कि कौन राकेश यादव मैं नहीं जानता हूं। इसके बाद पास में खड़े विधायक मेंदोला से भी पूछा था कि कौन हैं ये ?, तब मेंदोला ने भी कहा था कि मैं नहीं जानता हूं कौन हैं। इसके दो दिन बाद ही यादव बीजेपी में आ गए और सीधे प्रदेश प्रवक्ता बन गए।

ईओडब्ल्यू ने एमवायएच अस्पताल में फार्मासिस्ट के पद पर तैनात राकेश गोरखे के ठिकाने पर छापा मारा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने सरकारी दवाओं के स्टॉक में गड़बड़ी कर आय से अधिक संपत्ति जुटाई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि उसे इंदौर एमवाय अस्पताल में नौकरी के दौरान वेतन के रूप में करीब 1 करोड़ 11 लाख रुपए मिले, जबकि उसके पास मिली संपत्तियों की कीमत 2 करोड़ 13 लाख रुपए से ज्यादा है। यानी उसकी संपत्ति उसकी ज्ञात आय से करीब 108 फीसदी अधिक पाई गई है।

जांच में सामने आया कि एमवाय हॉस्पिटल के राकेश गोरखे की नियुक्ति साल 2007 में हुई थी। साल 2015 में उन्हें 18 हजार 711 रुपए प्रति माह वेतन मिलता था, जो 2025 में बढ़कर 54 हजार 664 रुपए प्रति माह हो गया। उनकी पत्नी कीर्ति गोरखे भी 2010 से शासकीय दंत चिकित्सालय में लाइब्रेरियन के पद पर कार्यरत हैं।

छापे में यह मिली संपत्तियां

- ईओडब्ल्यू इंदौर द्वारा टीम जांच कर रही है। अभी तक ये संपत्तियां मिली हैं।
- वृंदावन गार्डन, स्कीम नंबर 140, इंदौर में 1000 वर्गफीट पर निर्मित दो मंजिला मकान, अनुमानित कीमत लगभग 54 लाख 89 हजार।
- 44, संघवी रेसीडेंसी, बिचौली मर्दाना, इंदौर में 2337 वर्गफीट का प्लॉट, कीमत 25 लाख।
- प्लॉट नंबर 23, सद्गुरु नंदी विहार, बड़िया कीमा, इंदौर में 1571 वर्गफीट का प्लॉट, कीमत 20.78 लाख।
- प्लॉट नंबर 198, साकार एनआरआई सिटी, इंदौर में 8000 वर्गफीट का प्लॉट, कीमत 78.79 लाख।
- प्लॉट नंबर 226, साहिल इंद्रांचल होम्स, इंदौर में 1302 वर्गफीट का प्लॉट, कीमत 27 लाख 62 हजार।
- आरोपी द्वारा ओमेक्स डेवलपर्स को प्लॉट हेतु 6 लाख 70 हजार का भुगतान करना पाया गया।

अबूधाबी-इंदौर फ्लाइट में गोल्ड स्मगलिंग, एयरपोर्ट पर पकड़ाया दो करोड़ का सोना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर एयरपोर्ट पर डीआरआई ने बड़ी कार्रवाई की है। अबूधाबी से आए एक यात्री के पास से करीब एक किलो सोना मिला। इसकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपए आंकी गई है। यात्री से देर रात तक पूछताछ चली। जांच एजेंसियां अब पूरे नेटवर्क का पता लगा रही हैं।

बता दें कि देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यह कार्रवाई अचानक नहीं हुई। सूत्रों के मुताबिक राजस्व खुफिया निदेशालय को पहले से खबर मिली थी। इसी वजह से टीम पहले से सतर्क थी। जैसे ही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट अबूधाबी से इंदौर पहुंची, अधिकारियों ने एक संदिग्ध यात्री को रोक लिया। उसकी गहन तलाशी ली गई। तलाशी में बड़ी मात्रा में सोना बरामद हुआ।

पूछताछ में एक और अहम पहलू सामने आया है। सूत्रों का कहना है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस के कुछ कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के घेरे में आई है। हालांकि किसी कर्मचारी के खिलाफ अभी कोई आधिकारिक कार्रवाई नहीं हुई है। जांच एजेंसियां दस्तावेजों, तकनीकी सबूतों और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पूरे मामले की पड़ताल कर रही हैं। इस मामले में अभी तक राजस्व खुफिया निदेशालय एयरपोर्ट प्रबंधन या एयर इंडिया एक्सप्रेस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस वजह से फिलहाल पूरी घटना की सटीक तस्वीर सामने नहीं आ पाई है। लोगों में इस मामले को लेकर जिज्ञासा बनी हुई है।

यात्री से हो रही पूछताछ

घटना के बाद यात्री को हिरासत में लिया गया। राजस्व खुफिया निदेशालय की टीम उससे लगातार सवाल पूछ रही है। एजेंसियां यह जानने की कोशिश कर रही हैं कि सोना किस रास्ते से भारत लाया गया। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि सोने का अंतिम ठिकाना कहां था। सवाल यह भी है कि क्या इसके पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय है।

लापरवाही : 16 लाख रुपये डकारने के बाद ठेकेदार ब्लैकलिस्ट

एमवाय अस्पताल की पार्किंग व्यवस्था ध्वस्त 10 दिन से लावारिस खड़े हो रहे सैकड़ों वाहन

रोज हजारों लोगों के वाहनों की सुरक्षा पर उठ रहे सवाल, वाहन चोरी का बढ़ा खतरा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में शुमार महाराजा तुकाजीराव होल्कर अस्पताल (एमवायएच) में इन दिनों मरीजों और उनके परिजनों की एक नई परेशानी सामने आई है। अस्पताल की दोपहिया पार्किंग पिछले करीब 10 दिनों से पूरी तरह लावारिस पड़ी है। पार्किंग का ठेका निरस्त होने के बाद अस्पताल प्रबंधन अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर पाया है। नतीजा यह है कि रोजाना हजारों वाहन सड़क, फुटपाथ और अस्पताल परिसर में जहां जगह मिल रही है, वहीं खड़े किए जा रहे हैं। इससे न केवल अव्यवस्था फैल रही है, बल्कि वाहन चोरी का खतरा भी कई गुना बढ़ गया है।

एमवाय अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 5 हजार से अधिक मरीज और उनके परिजन इलाज के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा करीब 1 हजार डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, कर्मचारी और मेडिकल छात्र भी रोज अस्पताल आते हैं। अधिकांश लोग निजी दोपहिया वाहनों का उपयोग करते हैं। ऐसे में पार्किंग व्यवस्था ठप होने का सीधा असर हजारों लोगों पर पड़ रहा है।

16 लाख का बकाया, ठेका निरस्त- लेकिन व्यवस्था भी खत्म जानकारी के मुताबिक अस्पताल प्रशासन ने पार्किंगका ठेका करीब 4.25 लाख रुपये प्रतिमाह पर दिया था। ठेकेदार ने लगातार चार महीने तक ठेका राशि जमा नहीं की, जिससे अस्पताल पर उसका 16 लाख रुपये से अधिक का बकाया हो गया। इसके बाद डीन के निर्देश पर ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट कर अनुबंध निरस्त कर दिया गया। हालांकि सवाल यह है कि जब ठेकेदार कई महीनों से भुगतान नहीं कर रहा था तो प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की? यदि पहले ही कदम उठाए जाते तो न तो इतनी बड़ी बकाया राशि होती और न ही पार्किंग व्यवस्था ठप होती।

पुलिस कमिश्नरी में बीएनएसएस 170 में जमकर खेल, हर साल एक हजार को भेज रहे जेल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर पुलिस कमिश्नरी में बीएनएसएस की 170 धारा के तहत आरोपियों को जमकर जेल भेजा जा रहा है। तबरेज अली के केस में एसीपी खजराना को हाईकोर्ट की फटकार के बाद यह धारा चर्चा में आ गई है। हर साल औसतन एक हजार को जेल भेज रहे हैं। फरियादी तबरेज अली की इंदौर हाईकोर्ट में लगी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के बाद बीएनएसएस की धारा 170 चर्चा में है। इस पर हाईकोर्ट काफी सख्त हुआ है।

हालत यह है कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी खजराना एसीपी ने 18 दिन बाद भी आरोपी को नहीं छोड़ा। इसके बाद एसीपी आशीष पटेल की पेशी लगी और हाईकोर्ट ने यहां तक कह दिया कि इंदौर में नौकरी करनी है या नहीं? इसके बाद पटेल ने बिना शर्त माफी मांगी। वहीं आंकड़े बता रहे हैं कि इस धारा का जमकर उपयोग हो रहा है।

ऊटपटांग शर्त, एनईवायय्यू छात्र नेता विवाद-हाल ही में दिल्ली जंतर-मंतर के साथ इंदौर में एनईवायय्यू के छात्र नेता रैली निकालने वाले थे। लेकिन पुलिस ने 6 नेताओं पर यह धारा लगाकर जेल भेज दिया।

जमानत की शर्त लगाई कि यह नेता किसी सरकारी कर्मचारी की गारंटी लेकर आएं। हाईकोर्ट ने फटकार लगाई और कहा कि कोई भी कर्मचारी क्यों गारंटी देगा। फिर बाउंडओवर पर छोड़ने के आदेश हुए।

7000 से ज्यादा को जेल

आरटीआई के अनुसार पुलिस कमिश्नरी के बाद इंदौर में शांति भंग के नाम पर सात हजार से ज्यादा को जेल भेजा गया है। बीते साल 2300 को जेल भेजा गया था। एसीपी सराफा अभी तक तीन हजार को जेल भेज चुके हैं। एसीपी अन्नपूर्णा करीब दो हजार को जेल भेज चुके हैं। इंदौर के 12 एसीपी कोर्ट से हर साल औसतन एक हजार को जेल भेजा जा रहा है। वह भी अपराध नहीं बल्कि अपराध की आशंका और शांति भंग की आशंका में। हाईकोर्ट में लगी याचिका में इसे मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21) का खुला उल्लंघन बताया गया है।

जाम से राहत के लिए निगम की तैयारी प्रमुख चौराहों पर चौड़े होंगे लेफ्ट टर्न

पुराना एमजी रोड थाना हटेगा, न्यायनगर समेत चौराहों पर सुधार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए नगर निगम ने प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न को चौड़ा करने और नए लेफ्ट टर्न विकसित करने की कवायद तेज कर दी है। मास्टर प्लान की 23 सड़कों के निर्माण के साथ-साथ यातायात के अधिक दबाव वाले क्षेत्रों में भी सुधार कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पुराने एमजी रोड थाने को हटाकर वहां नया लेफ्ट टर्न बनाया जाएगा, जबकि न्याय नगर चौराहे के लेफ्ट टर्न का भी विस्तार किया जाएगा। निगम के यातायात विभाग ने एमजी रोड थाना परिसर को हटाकर लेफ्ट टर्न और अन्य विकास कार्यों के लिए करीब 35 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है। वहीं, न्याय नगर चौराहे पर लेफ्ट टर्न विकसित करने के लिए 39.74 लाख रुपये का अलग टेंडर निकाला गया है। दोनों कार्यों पर कुल 74 लाख रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे।

इन सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा किया जाए- हाल ही में इंडस्ट्री हाउस के सामने एबी रोड पर निजी भूमि लेकर नया लेफ्ट टर्न विकसित किया गया है। इसी तरह हाईकोर्ट तिराहे पर भी लेफ्ट टर्न चौड़ा करने के लिए निजी जमीन उपलब्ध हो गई है। इसके अलावा वर्ल्ड कप चौराहा (पिपलियाहाना) पर बाउंड्री वॉल हटाकर लेफ्ट टर्न का विस्तार किया जा रहा है। नगर निगम की योजना के तहत सत्यसांई चौराहा, इंद्रप्रस्थ चौराहा, हरसिद्धि और तीन इमली सहित अन्य व्यस्त चौराहों पर भी लेफ्ट टर्न चौड़े किए जाएंगे।

डीएवीवी में एमबीए की 229 सीटें खाली, गैर सीयूईटी अभ्यर्थियों को भी मिलेगा अवसर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने एमबीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अंतिम चरण की कॉलेज लेवल काउंसिलिंग शुरू कर दी है। सीयूईटी पीजी काउंसिलिंग के दो चरण पूरे होने के बाद भी 14 एमबीए कोर्स में 229 सीटें खाली हैं। ऑफलाइन काउंसिलिंग 7 अगस्त तक विभिन्न शिक्षण विभागों में आयोजित की जाएगी।

इस बार विवि ने उन स्नातक विद्यार्थियों को भी राहत दी है, जिन्होंने सीयूईटी पीजी परीक्षा नहीं दी है। सीयूईटी पीजी मेरिट वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता देने के बाद यदि सीटें खाली रहीं तो प्रवेश ग्रेजुएशन के अंकों या सीजीपीए के आधार पर दिया जाएगा। खाली सीटों में एमबीए टूरिज्म सबसे आगे है, जहां 35 सीटें रिक्त हैं। इसके बाद एमबीए मीडिया मैनेजमेंट में 29, एमबीए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में 25 और एमबीए मार्केटिंग मैनेजमेंट में 19 सीटें खाली हैं। एमबीए एडवरटाइजिग एंड पब्लिक रिलेशंस, एमबीए एंटरप्रेन्योरशिप और एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस में 15-15 सीटें उपलब्ध हैं। इसके अलावा एमबीए बिजनेस इकोनॉमिक्स में 14, बिजनेस एनालिटिक्स में 12, ई-कॉमर्स में 11 और फॉरेन ट्रेड में 10 सीटें रिक्त हैं।

आवश्यक दस्तावेज जरूरी

5 अगस्त को आईएमएस में एमबीए फाइनेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन, मार्केटिग, एचआरएम और ई-कॉमर्स की काउंसिलिग हो रही है, जबकि स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एमबीए फाइनेंशियल सर्विसेज, बिजनेस इकोनॉमिक्स और इंटरनेशनल बिजनेस के प्रवेश लिए जा रहे हैं। 6 और 7 अगस्त को शेष पाठ्यक्रमों की काउंसिलिग होगी। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि सीट आवंटन के बाद अभ्यर्थियों को एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर प्रथम सेमेस्टर शुल्क जमा कर प्रवेश की पुष्टि करनी होगी। काउंसिलिग में आधार कार्ड, अंकसूचियां, ट्रांसफर व माइग्रेशन प्रमाण-पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य है।

अपनी रवानगी से पूर्व डीपीसी का एक निर्णय सीईओ और कलेक्टर को कोर्ट में पार्टी बना गया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आपने आपको बहुत ईमानदार साबित करने वाले पूर्व जिला परियोजना समन्वयक संजय मिश्र ने इंदौर से ट्रांसफर होने से पहले ही एक शिक्षक को नियम विरुद्ध हटाया जिसके चलते मामला कोर्ट में गया।

गौरतलब है कि सर्व शिक्षा अभियान की एक व्यवस्था में किसी शिक्षक को जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला समिति के द्वारा ही नियुक्त किया जाता है। जाहिर है कि जब इस शिक्षक को हटाया जाने की स्थिति में भी जिला कलेक्टर की अनुमति आवश्यक होती है। लेकिन अपने आपको चौकीदार साबित करने वाले डीपीसी संजय मिश्र ने बिना कलेक्टर की अनुमति से बाले-बाले ही शिक्षक को हटा दिया। वैसे तो अपने कार्यकाल में बहुत से विवादित मामलों को लेकर चर्चित भी हुए। उनकी शिकायतें भी हुई, पहली बार उनके ही अधीनस्थ विकासखंड शिक्षा स्त्रोत समन्वयक और जनशिक्षकों ने मैदान पर उतर उनका विरोध किया।

बहरहाल **सब चोर में ईमानदार** की तर्ज कर पूरे कार्यकाल में डीपीसी ने अपनी कार्यालीन समिति की आड़ में बीआरसी द्वारा अस्वीकृत की गई निजी स्कूलों की मान्यता को पिछले दरवाजे से मान्यता दे दी। सूत्र यह जानकारी दे रहे है इसको लेकर भी कलेक्टर कार्यालय में एक शिकायत हुई है जिसको लेकर शीघ्र ही जांच के आदेश जारी हो सकते हैं।

पर्दे के पीछे की और दूसरी कहानी

जिला शिक्षा केंद्र के अतिविश्वनीय सूत्रों के अनुसार जिस शिक्षक को हटाया गया उसे ईमानदार डीपीसी ने मान्यता और अन्य व्यवस्थाओं में एक तरह से महीना लेने के लिए कहा था। जिस शिक्षक को यह काम दिया गया था उसके बारे में पूरा जिला शिक्षा केंद्र का कार्यालय जनता था लेकिन डीपीसी के आतंक के चलते सबने चुप्पी साध ली थी। सूत्र यह भी बताते है कि जैसे ही यह अवैध वसूली की जानकारी सीईओ जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन को लगी वैसे उन्होंने तत्काल एक्शन लेकर इस पर पूछताछ की। अपने आप को ईमानदार साबित करने वाले डीपीसी ने इस पूरे मामले से पल्ला झाड़ते हुए सारा दोष उक्त शिक्षक पर लगा दिया। ऐसी स्थिति में उस शिक्षक को हटा दिया गया। बहरहाल व्यवस्था से हटाए आहत शिक्षक ने कोर्ट की शरण ली और कोर्ट ने उक्त को नियम विरुद्ध हटाएं जाने के मामले में सीईओ और कलेक्टर को पार्टी बनाते हुए जवाब मांगा है। हालांकि दो तारीखों के बाद भी अभी तक जवाब दाखिल नहीं हों पाया है।

नए स्पीड ब्रेकर्स से हो रहे हादसे, गाड़ियां हो रहीं पंचर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में लगाए जा रहे फोर लेयर रंबल स्ट्रिप वाहन चालकों के लिए हादसों का सबब बन रहे हैं। स्पीड ब्रेकर के स्थान पर लगाई जाने वाली यह प्लास्टिक व रबर की रंबल स्ट्रिप लगने के कुछ ही दिनों बाद टूट रही हैं। शहर में अधिकांश स्थानों पर जहां इन्हें स्थापित किया गया था, वहां से ये स्ट्रिप पूरी तरह उखड़ चुकी हैं। इन स्ट्रिप को मजबूत पकड़ देने के लिए लोहे की कीलों से सड़क पर ठोका गया था। अब स्ट्रिप के टूटने और उखड़ने के बाद सड़क पर उभरी हुई नुकीली कीलें राहगीरों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही हैं। इन उभरी कीलों के कारण आए दिन वाहनों के टायर पंक्चर हो रहे हैं। अचानक सामने दिखने वाली कीलों से बचने की कोशिश में वाहन चालक अनियंत्रित होकर एक-दूसरे से टकरा जाते हैं, जिससे गंभीर दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं।

एलआईजी चौराहा से लेकर कलश चौराहा तक 4 से ज्यादा स्पीड ब्रेकर बनाए गए हैं, जिनकी ऊंचाई सामान्य मानकों से काफी अधिक है। इन रबर के स्पीड ब्रेकरों को लगाते समय लोहे की कीलें ठोकी गई थीं। समय के साथ रबर के पल्ले उखड़ गए और अब केवल खतरनाक कीलें ही सड़क पर शेष बची हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।